R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 177 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 06 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत पर दबाव डालना अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए नुकसानदायक: पुतिन

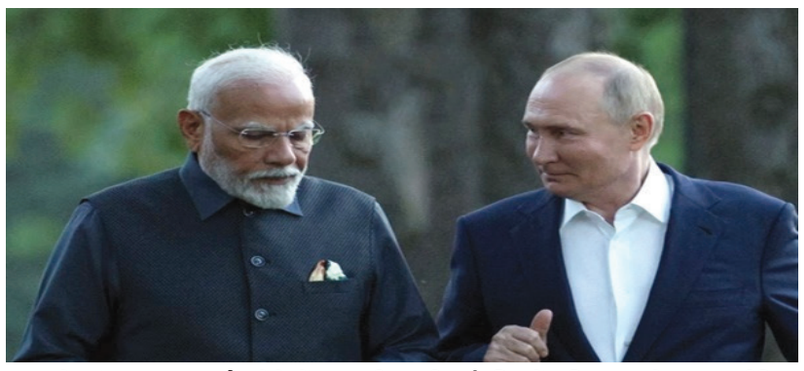

रूस (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत और उसके नेतृत्व पर किसी भी प्रकार का बाहरी दबाव बनाना अंतरराष्ट्रीय संबंधों तथा द्विपक्षीय रिश्तों के लिए हानिकारक है। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक भारत के प्रधानमंत्री पर दबाव डालने की कोशिश किसी के हित में नहीं है। पुतिन ने यह टिप्पणी रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित कॉन्स्टेंटाइन पैलेस में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित वार्षिक संवाद कार्यक्रम के दौरान की। इस दौरान उन्होंने भारत, अमेरिका और रूस के संबंधों को लेकर पूछे गए सवालों का जवाब दिया। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि यह धारणा सही नहीं है कि भारत और अमेरिका के बढ़ते सहयोग से भारत-रूस संबंधों में कोई परेशानी पैदा हो रही है। उन्होंने कहा कि रूस भारत के अन्य देशों के साथ बढ़ते रिश्तों का सम्मान करता है और उसे इस बात की खुशी है कि भारत वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को लगातार मजबूत कर रहा है। पुतिन ने कहा, "भारत एक महान राष्ट्र है। उसकी आबादी लगभग 1.5 अरब है, उसकी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और उसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है। ऐसे में यह पूरी तरह स्वाभाविक है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार विभिन्न देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक सहयोग विकसित करे।" उन्होंने आगे कहा कि कुछ अवसरों पर अमेरिका ने रूस के साथ भारत के सहयोग को लेकर दबाव बनाने की कोशिश की है, लेकिन अब दुनिया यह समझ चुकी है कि भारत जैसे बड़े और प्रभावशाली देश पर दबाव डालना व्यावहारिक नहीं है। उनके अनुसार, किसी भी देश द्वारा ऐसा कदम उठाना अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय साझेदारी के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। यह बैठक सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (SPIEF) के दौरान आयोजित की गई, जिसमें दुनिया भर के प्रमुख मीडिया संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और रूस की विदेश नीति से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति पुतिन ने भारत की महत्वपूर्ण राजकीय यात्रा की थी। इस दौरान नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी विस्तृत वार्ता हुई थी। दोनों नेताओं ने रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर चर्चा की थी। साथ ही भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दोनों देशों ने आपसी सहयोग को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी।

होर्मुज स्ट्रेट सुरक्षित रहेगा, यूरोपीय देशों की मदद की जरूरत नहीं: ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री यातायात की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका को यूरोपीय देशों की सैन्य सहायता की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक होर्मुज स्ट्रेट जल्द ही पूरी तरह सुरक्षित रहेगा और जहाजों की आवाजाही सामान्य रूप से जारी रहेगी। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पास दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना है और वह अपने दम पर इस रणनीतिक समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों और नाटो सदस्य देशों को इस मिशन में शामिल होने का अवसर दिया था, लेकिन अधिकांश देशों ने इसमें भाग लेने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि कई यूरोपीय देश और अन्य राष्ट्र खाड़ी क्षेत्र से आने वाली ऊर्जा आपूर्ति पर काफी निर्भर हैं, जबकि अमेरिका के पास अपनी जरूरत से कहीं अधिक तेल और ऊर्जा संसाधन उपलब्ध हैं। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में इन देशों को अपने फैसले की कीमत चुकानी पड़ सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को ईरान के साथ जारी वार्ताओं से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित समझौते की सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न करे। ट्रंप के अनुसार अमेरिका पहले ही इस क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठा चुका है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी बलों ने समुद्री बारूदी सुरंगों के खतरे को काफी हद तक कम कर दिया है और उनके पास अत्याधुनिक माइंसवीपर तकनीक मौजूद है। गौरतलब है कि होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। दुनिया के तेल और एलएनजी व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है, इसलिए इसकी सुरक्षा वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

सेना प्रमुख ने किए रामलला व हनुमानगढ़ी के दर्शन

नई दिल्ली । भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को निजी दौरे पर अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमानगढ़ी और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन किया। यह सेना प्रमुख बनने के बाद उनका पहला अयोध्या दौरा रहा। सबसे पहले उन्होंने हनुमानगढ़ी में संकटमोचन हनुमान जी के दर्शन कर देश की सुरक्षा और समृद्धि की कामना की। इसके बाद वे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे और रामलला के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में पहुंचने पर प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने निर्माण कार्य और परिसर की व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। दौरे के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इससे पहले उन्होंने डोगरा रेजीमेंटल सेंटर का भी दौरा किया और गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

एक पौधा जरूर लगाएं, दिल्ली को हरित बनाएं: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानीवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ बनाने के लिए हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बड़े स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम चला रही है। इसके तहत राजधानी में 15 लाख पौधे लगाए जाएंगे। साथ ही 18 नमो ऑक्सीजन पार्कों की शुरुआत की जा रही है, जो दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
कार्यक्रम के दौरान रेखा गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाना समय की जरूरत है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि 18 नमो ऑक्सीजन पार्कों की शुरुआत राजधानी के लिए एक बड़ा कदम है। इन पार्कों में देशी प्रजातियों के पेड़ लगाए जाएंगे, जो कम पानी में जीवित रहते हैं और अधिक ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार भविष्य में लगभग 100 ऑक्सीजन पार्क विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। सिरसा ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार ने लगभग 11,000 एकड़ भूमि को वन क्षेत्र घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके अलावा मियावाकी फॉरेस्ट मॉडल के तहत घने जंगल विकसित किए जाएंगे, जिससे पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि ये पहलें दिल्ली को अधिक हरित और प्रदूषणमुक्त बनाने में मदद करेंगी।

NCR में येलो अलर्ट, बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए एक बार फिर येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार शुक्रवार को दिनभर गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। सुबह से रात तक कई स्थानों पर आंधी-तूफान और हल्की बारिश हो सकती है। तेज हवाओं के कारण पेड़ गिरने, कमजोर ढांचों को नुकसान पहुंचने और यातायात प्रभावित होने की आशंका भी जताई गई है। आईएमडी ने लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी है। वहीं, 6 जून को भी गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। इस दिन तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 7 जून से मौसम साफ होने लगेगा। 8 से 10 जून के बीच आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और तापमान धीरे-धीरे बढ़कर 40 से 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल बारिश और तेज हवाओं के कारण एनसीआर के लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी, लेकिन अगले सप्ताह से तापमान में फिर बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। प्रशासन और मौसम विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

पांच राज्यों के चुनाव से पहले कांग्रेस का बड़ा दांव, दलित-मुस्लिम गठबंधन पर फोकस

नई दिल्ली । आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस ने अपनी चुनावी रणनीति को नया स्वरूप देना शुरू कर दिया है। पार्टी अब दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर सवर्ण वर्गों को एक साझा मंच पर लाने की तैयारी में जुट गई है। इस अभियान की शुरुआत दलित और अल्पसंख्यक समुदायों को जोड़ने के प्रयास से की जा रही है। कांग्रेस का मानना है कि इन वर्गों के बीच सामाजिक न्याय, शिक्षा, रोजगार और प्रतिनिधित्व जैसे साझा मुद्दों के आधार पर एक मजबूत सामाजिक और राजनीतिक गठबंधन तैयार किया जा सकता है।

6 जून से शुरू होगा राष्ट्रीय अभियान

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग और अल्पसंख्यक विभाग ने मिलकर एक नई सोशल इंजीनियरिंग रणनीति तैयार की है। इसी के तहत 6 जून को दिल्ली में एक संयुक्त सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के अलावा सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों, कलाकारों और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय चेयरपर्सन राजेंद्र पाल गौतम के अनुसार सम्मेलन में दलित, अल्पसंख्यक, पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर सवर्ण समुदायों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया जाएगा। बाद में इसी मॉडल को उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर जैसे चुनावी राज्यों में भी लागू किया जाएगा।

40 फीसदी वोट बैंक पर कांग्रेस की नजर

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां दलित और अल्पसंख्यक समुदाय मिलकर लगभग 35 से 40 प्रतिशत वोट बैंक पर प्रभाव रखते हैं। कांग्रेस को उम्मीद है कि यदि इन वर्गों को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाया गया तो चुनावी समीकरण उसके पक्ष में बन सकते हैं। पार्टी भविष्य में इस गठबंधन में अति पिछड़े वर्गों, व्यापक ओबीसी समाज और आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों को भी शामिल करने की योजना बना रही है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के "संविधान बचाओ" अभियान को दलित समाज का अच्छा समर्थन मिला था। अब पार्टी उसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए सामाजिक न्याय और समान प्रतिनिधित्व के मुद्दों को चुनावी एजेंडे के केंद्र में रखने की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित राष्ट्रीय सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

योगी के 'टोंटी' वाले बयान पर अखिलेश यादव का पलटवार, बोले- 'हार की हताशा बोल रही है'

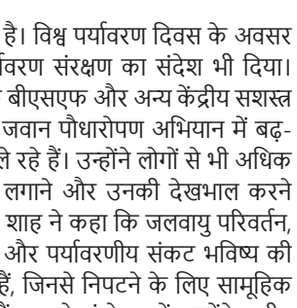

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए एक बयान को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। मुख्यमंत्री के "टोंटी चोरी" वाले बयान पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और बिना नाम लिए उन पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि कुछ लोगों की आदतें और असफलताएं उन्हें गलत दिशा में ले जाती हैं। उन्होंने लिखा, "वनस्पति विवेक छीन लेती है और निर्दोष लोगों की हत्याओं का खौफ रातों की नींद। नहीं तो इतने ऊंचे पद पर बैठकर कोई इतना निकृष्ट बयान नहीं देता।" उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग अपनी नाकामियों के लिए दूसरों को जिम्मेदार ठहराते हैं और यह हार की हताशा का परिणाम है। साथ ही उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि "कुदरत का बुलडोजर अब घूम गया है।" दरअसल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में हर घर नल योजना का जिक्र करते हुए कहा था कि सरकार ने लोगों तक पानी पहुंचाने का काम किया, लेकिन कुछ लोग नलों की टोंटी चोरी कर लेते हैं या उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने नागरिकों से ऐसी घटनाओं को रोकने और सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने की अपील की थी। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और मौसम चक्र में बदलाव का सबसे अधिक असर किसानों पर पड़ता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अतिवृष्टि, अनावृष्टि और खाद्यान्न संकट जैसी चुनौतियां भविष्य में गंभीर रूप ले सकती हैं। योगी के बयान के बाद विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है।

पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी जरूरी - योगी

यूपी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यावरण दिवस पर लोगों से पर्यावरण और जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह प्रकृति, जलस्रोतों और वन संपदा की रक्षा करे तथा भूमाफिया, खनन माफिया और तस्करों के प्रति सजग रहे। सीएम ने 'एक पेड़ मां के नाम', जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक से दूरी और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली जैसे पांच संकल्प दिलाए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन कृषि और जीवन पर गंभीर असर डाल रहा है, इसलिए समय रहते सतर्क होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि यूपी में वन क्षेत्र और पौधरोपण तेजी से बढ़ा है तथा रामसर स्थलों की संख्या भी बढ़कर 13 हो गई है।

त्रिपुरा, बंगाल और बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव नहीं होने देंगे: अमित शाह

अगरतला । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित लंकामुरा बॉर्डर आउटपोस्ट का दौरा किया और बीएसएफ जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और बिहार में किसी भी प्रकार का जनसांख्यिकीय बदलाव नहीं होने देगी। उन्होंने इसे सरकार का अटूट संकल्प बताया। अमित शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (BSF) देश की पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमाओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि हर सीमा की अपनी अलग चुनौतियां हैं। कहीं नशीले पदार्थों की तस्करी, कहीं मानव तस्करी, कहीं हथियारों की स्मगलिंग और कहीं नकली मुद्रा का नेटवर्क सक्रिय रहता है। इन सभी चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार आधुनिक तकनीक आधारित "स्मार्ट बॉर्डर" विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन, आधुनिक तकनीक और सुरक्षा बलों के समन्वय से सीमाओं को पूरी तरह सुरक्षित और अभेद्य बनाया जाएगा। गृह मंत्री ने जवानों की सुविधाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार सीमा पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के कल्याण और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बीएसएफ जवानों की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि देश की जनता इसलिए चैन की नींद सो पाती है क्योंकि सीमा प्रहरी पूरी रात जागकर राष्ट्र की सुरक्षा करते हैं। उनका समर्पण और त्याग देश के लिए प्रेरणास्रोत है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि बीएसएफ और अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवान पौधारोपण अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने लोगों से भी अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। शाह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान और पर्यावरणीय संकट भविष्य की बड़ी चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। अपने संबोधन में उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने राष्ट्रसेवा, संगठन निर्माण और समाज को जागरूक करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया तथा उनके विचार आज भी लाखों कार्यकर्ताओं को प्रेरित कर रहे हैं।

अन्नामलाई ने BJP से दिया इस्तीफा, नई पार्टी बनाने का ऐलान

चेन्नई । तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के चर्चित नेताओं में शामिल के. अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। लंबे समय से चल रही अटकलों के बीच भाजपा नेतृत्व ने शुक्रवार को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही अन्नामलाई ने नई राजनीतिक पार्टी बनाने का भी ऐलान किया है, जिससे तमिलनाडु की राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है। भाजपा की ओर से जारी बयान में कहा गया कि पार्टी अध्यक्ष ने अन्नामलाई का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कहा कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियों में से एक है और संगठन पहले की तरह मजबूत बना रहेगा। वहीं, आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पीवीएन माधव ने उम्मीद जताई कि अन्नामलाई भविष्य में फिर भाजपा में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में पार्टी को मजबूत बनाने में अन्नामलाई की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अपने इस्तीफे में अन्नामलाई ने कहा कि राष्ट्रीय दल अक्सर तमिलनाडु की जनता की भाषा, संस्कृति और भावनाओं को पूरी तरह नहीं समझ पाते। उन्होंने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने इस धारणा को बदलने का प्रयास किया, लेकिन तमिलनाडु को लेकर उनकी सोच और पार्टी नेतृत्व की रणनीति में सामंजस्य नहीं बन पाया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार भाजपा और AIADMK के बीच दोबारा बने गठबंधन को लेकर भी मतभेद उभरे थे। अन्नामलाई चाहते थे कि भाजपा तमिलनाडु में अकेले चुनाव लड़कर अपना जनाधार बढ़ाए, जबकि केंद्रीय नेतृत्व गठबंधन के पक्ष में था। पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई ने वर्ष 2020 में नौकरी छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। 2021 में उन्हें तमिलनाडु भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था, लेकिन अब उनके इस्तीफे और नई पार्टी के गठन से राज्य की राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावना बढ़ गई है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

क्लॉड माइथोस: भारत के लिए अवसर और जिम्मेदारी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के क्षेत्र में तेजी से बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच एन्थ्रोपिक द्वारा अपने अत्याधुनिक साइबर-सुरक्षा मॉडल 'क्लॉड माइथोस' का सीमित संस्करण भारत को उपलब्ध कराने का निर्णय महत्वपूर्ण रणनीतिक और तकनीकी मायने रखता है। यह केवल एक नई तकनीक तक पहुंच भर नहीं है, बल्कि भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता और वैश्विक स्तर पर उसके प्रति बढ़ते विश्वास का भी संकेत है। क्लॉड माइथोस को एन्थ्रोपिक के सबसे शक्तिशाली साइबर-सुरक्षा केंद्रित AI मॉडलों में गिना जा रहा है। अमेरिका के अलावा जिन चुनिंदा देशों को इसकी पहुंच दी गई है, उनमें कई प्रमुख पश्चिमी सहयोगी देश शामिल हैं। ऐसे में भारत का इस विशेष समूह में शामिल होना उसकी डिजिटल शक्ति, तकनीकी प्रतिभा और रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है। भारत के लिए इस तकनीक का सबसे बड़ा लाभ साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में मिल सकता है। आज बैंकिंग, दूरसंचार, शेयर बाजार, ऊर्जा, परिवहन और रक्षा जैसे लगभग सभी महत्वपूर्ण क्षेत्र डिजिटल नेटवर्क पर निर्भर हैं। ऐसे में साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। क्लॉड माइथोस जैसे उन्नत AI मॉडल इन प्रणालियों की कमजोरियों की पहचान करने, संभावित खतरों का पूर्वानुमान लगाने और सुरक्षा उपायों को अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इससे देश की महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना को और अधिक सुरक्षित बनाया जा सकेगा। हालांकि, इस अवसर के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। एन्थ्रोपिक द्वारा भारत को पूर्ण संस्करण के बजाय सीमित संस्करण उपलब्ध कराने के पीछे सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। आशंका यह है कि यदि ऐसी संवेदनशील तकनीक गलत हाथों में पहुंच जाए तो उसका दुरुपयोग भी संभव है। इसलिए भारत को इस तकनीक के उपयोग, संरक्षण और नियमन के लिए मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करना होगा। यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि एन्थ्रोपिक के तकनीकी नेतृत्व और इंजीनियरिंग टीम में भारतीय प्रतिभाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। दुनिया की प्रमुख AI कंपनियों में भारतीय इंजीनियरों का बढ़ता योगदान इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसका निर्माता और नवाचारकर्ता भी बन रहा है। कुल मिलाकर, क्लॉड माइथोस तक भारत की पहुंच एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लेकिन इसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि देश इस तकनीक का उपयोग केवल सुरक्षा मजबूत करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए करे। यदि भारत इस अवसर का विवेकपूर्ण और जिम्मेदार उपयोग करता है, तो वह वैश्विक साइबर सुरक्षा और AI नेतृत्व की दौड़ में अपनी स्थिति और मजबूत कर सकता है।

अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह

ग्रेट निकोबार: भारत की समुद्री रणनीति का प्रमुख केंद्र

डी. के. जोशी

यह दक्षिण-पूर्व एशिया के निकट स्थित है तथा मलक्का स्ट्रेट, 60 चैनल, सुंडा स्ट्रेट और लोम्बोक स्ट्रेट जैसे प्रमुख वैश्विक समुद्री मार्गों के समीप आता है। वास्तविक सामरिक दृष्टि से देखें तो यह भारत की पूर्वी समुद्री चौकी है। इसका महत्व तब और स्पष्ट हो जाता है जब इसे केवल भूभाग के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि महासागरीय रणनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य से देखा जाए। कल्पना कीजिए उन जहाजों की, जो अदन की खाड़ी से मलक्का स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे हैं, ऊर्जा से भरे मालवाहक जहाज, जो पश्चिम एशिया और अफ्रीका से पूर्वी एशिया की ओर जा रहे हैं, एशिया, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ने वाला कंटेनर यातायात तथा नौसैनिक संसाधन, निगरानी मंच और लॉजिस्टिक श्रृंखलाएँ, जो इन जलमार्गों से होकर गुजर रही हैं। हिंद महासागर अब शांत समुद्र नहीं रहा। यह तेजी से एक भीड़भाड़ वाले सामरिक क्षेत्र में बदल रहा है। ऊर्जा आपूर्ति, कंटेनर यातायात, नौसैनिक तैनाती, द्वीपीय सुविधाएं, समुद्र के नीचे बिछी केबलें और समुद्री निगरानी अब एक बड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन चुकी हैं। यह शायद मुख्य भूमि पर बैठे कई लोगों को दिखाई न दे, परन्तु देशों के भविष्य के लिए यह बेहद निर्णायक है। हाल की एक महत्वपूर्ण प्रगति यह है कि...

जो राज्य अपनी सीमाओं, साझेदारियों और व्यापार मार्गों की सुरक्षा नहीं करता, वह अपने भविष्य को भी सुरक्षित नहीं रख सकता। - कौटिल्य

कौटिल्य की यह सीख सदियों पहले ही शासन और रणनीति की मूल सोच का हिस्सा बन चुकी थी, और आज के समय में यह पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक होकर सामने आई है। आज देशों की परीक्षा केवल उनकी अर्थव्यवस्था के आकार या सैन्य ताकत से नहीं हो रही, बल्कि इस बात से हो रही है कि वे भूगोल को कितनी अच्छी तरह समझते हैं, भविष्य का कितना सही अनुमान लगाते हैं और अवसर के खतरे में बदलने से पहले कितनी तेजी से निर्णय लेते हैं। ग्रेट निकोबार भारत के लिए ऐसी ही एक बड़ी परीक्षा है। यह भारतीय मानचित्र के दक्षिणी-पूर्वी छोर पर स्थित एक दूरस्थ द्वीप जैसा प्रतीत होता है। ऐसी जगह जिसे दशकों से लगभग अछूता छोड़ दिया गया है और जिसे वैसे ही रहने देना चाहिए। परंतु ग्रेट निकोबार भारत की अग्रिम समुद्री चौकी है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के समीप स्थित यह द्वीप दुनिया की ओर भारत की सबसे अहम सामरिक अवसर में से एक है। अतः ग्रेट निकोबार के प्रस्तावित विकास को केवल एक अवसंरचना परियोजना के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह केवल एक बंदरगाह, हवाई अड्डा, टाउनशिप या बिजली संयंत्र बनाने का प्रश्न नहीं है। यह वास्तव में इस बात की सामरिक परीक्षा है कि क्या भारत अपनी इस दुर्लभ भौगोलिक बढ़त को राष्ट्रीय शक्ति में बदलने के लिए तैयार है। सदियों से हिंद महासागर ने भारत की नियति को आकार दिया है। इसी समुद्री क्षेत्र ने हमारे व्यापार, हमारे विचारों और हमारे सभ्यतागत प्रभाव को विश्व भर में पहुंचाया, परन्तु कई बार यही हमारी कमजोरियों का कारण भी बना। तथापि, स्वतंत्रता के पश्चात् लंबे समय तक भारत की सामरिक सोच मुख्य रूप से स्थल-आधारित रही। यह निर्विवाद है कि ग्रेट निकोबार अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक स्थान है। यह अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह के सबसे बड़े द्वीपों में से एक है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 910 वर्ग किलोमीटर है। प्रस्तावित परियोजना का कुल क्षेत्रफल 166.10 वर्ग किलोमीटर है, जो सम्पूर्ण द्वीपसमूह के कुल क्षेत्रफल का केवल लगभग 2 प्रतिशत है। इसमें से 130.75 वर्ग किलोमीटर वन भूमि को परियोजना के लिए उपयोग में लाने का प्रस्ताव है, जो द्वीप समूह के कुल वन क्षेत्र का लगभग 1.82 प्रतिशत है। यह दक्षिण-पूर्व एशिया के निकट स्थित है तथा मलक्का स्ट्रेट, 60 चैनल, सुंडा स्ट्रेट और लोम्बोक स्ट्रेट जैसे प्रमुख वैश्विक समुद्री मार्गों के समीप आता है। वास्तविक सामरिक दृष्टि से देखें तो यह भारत की पूर्वी समुद्री चौकी है। इसका महत्व तब और स्पष्ट हो जाता है जब इसे केवल भूभाग के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि महासागरीय रणनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य से देखा जाए। कल्पना कीजिए उन जहाजों की, जो अदन की खाड़ी से मलक्का स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे हैं, ऊर्जा से भरे मालवाहक जहाज, जो पश्चिम एशिया और अफ्रीका से पूर्वी एशिया की ओर जा रहे हैं, एशिया, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ने वाला कंटेनर यातायात तथा नौसैनिक संसाधन, निगरानी मंच और लॉजिस्टिक श्रृंखलाएँ, जो इन जलमार्गों से होकर गुजर रही हैं। हिंद महासागर अब शांत समुद्र नहीं रहा। यह तेजी से एक भीड़भाड़ वाले सामरिक क्षेत्र में बदल रहा है। ऊर्जा आपूर्ति, कंटेनर यातायात, नौसैनिक तैनाती, द्वीपीय सुविधाएं, समुद्र के नीचे बिछी केबलें और समुद्री निगरानी अब एक बड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन चुकी हैं। यह शायद मुख्य भूमि पर बैठे कई लोगों को दिखाई न दे, परन्तु देशों के भविष्य के लिए यह बेहद निर्णायक है। हाल की एक महत्वपूर्ण प्रगति यह है कि अंडमान सागर को थाईलैंड की खाड़ी से जोड़ने वाली दशकों पुरानी कैनल परियोजना को स्थगित कर दिया गया है। इसके स्थान पर अब लगभग 90 किलोमीटर लंबे मल्टी-मोडल लैंड ब्रिज की योजना अंतिम स्वीकृति की प्रतीक्षा में है। यह परियोजना टेंथ पैरेलल के साथ दो नव-डिज़ाइन किए गए गहरे समुद्री बंदरगाहों को जोड़ेगी एक अंडमान सागर के किनारे रणोंग में और दूसरा थाईलैंड की खाड़ी के किनारे चुम्फोन में। इसके साथ दोहरी ट्रैक्स वाली उच्च गति रेल, बहु-लेन सड़क, तेल एवं गैस के लिए ऊर्जा पाइपलाइनें तथा वायु एवं डिजिटल ग्रिड भी प्रस्तावित हैं। ये सभी कारक मिलकर इंडो-पैसिफिक व्यापार मार्गों को पूरी तरह पुनर्परिभाषित कर रहे हैं और आर्थिक शक्ति का केंद्र सीधे अंडमान बेसिन की ओर स्थानांतरित कर रहे हैं। मलक्का स्ट्रेट विश्व के सबसे महत्वपूर्ण सामुद्रिक चोकपॉइंट्स में से एक है। यह हिंद महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ता है और अत्यंत मूल्यवान ऊर्जा संसाधनों (तेल और एलएनजी) तथा वैश्विक व्यापार का प्रमुख मार्ग है। ग्रेट निकोबार की गलाथिया खाड़ी 60 चैनल से लगभग 45 किलोमीटर दूर है, जो मलक्का स्ट्रेट को अफ्रीका, मध्य पूर्व और यूरोप की ओर जाने वाले समुद्री मार्गों से जोड़ती है। अनुमान है कि हर साल लगभग एक लाख जहाज मलक्का स्ट्रेट 60 चैनल मार्ग से गुजरते हैं। मलक्का, सुंडा और लोम्बोक जैसे सामरिक चोकपॉइंट्स के निकट स्थित होने के कारण यह द्वीप भारत को अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक बढ़त प्रदान करता है। कोई भी गंभीर सामुद्रिक शक्ति ऐसे भौगोलिक तथ्यों की उपेक्षा करने का जोखिम नहीं उठा सकती। हिंद महासागर क्षेत्र में अनेक शक्तिशाली देश बंदरगाहों, लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं, समुद्री पहुँच सुविधाओं, नौसैनिक संसाधनों, निगरानी प्रणालियों और आर्थिक गलियारों के माध्यम से निरंतर अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं। भारत का उत्तर संकोचपूर्ण नहीं हो सकता। उसका उत्तर सामरिक सुदृढ़ीकरण होना चाहिए। संप्रभुता केवल मानचित्र पर सीमाएँ खींच देने से सुदृढ़ नहीं होती। वह तब सशक्त होती है जब कोई भूभाग जुड़ा हुआ, आबाद, सुविधायुक्त, उत्पादक और सामरिक रूप से उपयोगी बनता है।

दिवस विशेष

अरविंद जयतिलक

आइए, सभी पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लें

आज विश्व पर्यावरण दिवस है। यह दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु विश्व भर में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक व सामाजिक जागृति लाने हेतु वर्ष 1972 में की थी। विडंबना यह है कि इस दिवस पर हम एक ओर पर्यावरण सुरक्षा के प्रति चिंता जाहिर करते हैं, संगोष्ठियां करते हैं, नए कानून गढ़ते हैं, वहीं अंधाधुंध विकास के नाम पर प्रति वर्ष 7 करोड़ हेक्टेयर वनों का विनाश करते हैं। ऐसे में पर्यावरण दिवस मनाना अपने आप में बेमानी हो जाता है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले सैकड़ों सालों में मनुष्य जाति ने विकास के नाम पर करोड़ों हेक्टेयर वनों का विनाश किया है। उसके इस कृत्य से प्रकृति की तकरीबन एक तिहाई से अधिक प्रजातियां नष्ट हुई हैं। जंगली जीवों की संख्या में 50 फीसद की कमी आई है। उदाहरण के लिए भारत में पिछले एक दशक में पर्यावरण को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गिद्धों की संख्या में 97 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। इससे मृत पशुओं की सफाई, बीजों का प्रकीर्णन और परागण कार्य काफी हद तक प्रभावित हुआ है।

गिद्धों की तरह अन्य प्रजातियां भी तेजी से विलुप्त हो रही हैं। वनों के विनाश से वातारण भी जहरीला होता जा रहा है। यानी प्रतिवर्ष 2 अरब टन अतिरिक्त कार्बन-डाइआक्साइड वायुमण्डल में घुल-मिल रहा है। इससे जीवन का सुरक्षा कवच मानी जाने वाली ओजोन परत को नुकसान पहुंच रहा है। नेचर जिओसाइंस की मानें तो ओजोन परत को होने वाले नुकसान से कुछ खास किस्म के अत्यंत अल्प जीवी तत्वों (वीएसएलएस) की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है जो मानव जाति के अस्तित्व के लिए खतरनाक है। गौरतलब है कि दुनिया के 20 सबसे ज्यादा क्लोरोफ्लोरो कार्बन उत्सर्जित करने वाले देशों के बीच ओजोन परत के क्षरण को रोकने के लिए 16 सितंबर, 1987 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक संधि हुई जिसे मांट्रियाल प्रोटाकॉल नाम दिया गया। इसका मकसद ओजोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार गैसों एवं तत्वों के इस्तेमाल पर रोक लगाना था। इस दिशा में अभी तक अपेक्षित सफलता हासिल नहीं हुई है। अब तक वायुमण्डल में 36 लाख टन कार्बन डाइआक्साइड की वृद्धि हो चुकी है और वायुमण्डल से 24 लाख टन आक्सीजन समाप्त हो चुकी है। यदि पृथ्वी के तापमान में मात्र 3.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो जाए तो आर्कटिक एवं अण्टार्कटिका के विशाल हिमखण्ड पिघल जाएंगे जिससे समुद्र के जल स्तर में 10 इंच से 5 फुट तक वृद्धि हो सकती है। वर्ष 2007 की इंटरगवर्नमेंटल पैनल की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के करीब 30 पर्वतीय ग्लेशियरों की मोटाई वर्ष 2005 में आधे मीटर से ज्यादा कम हो गई। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके लिए मुख्य रूप से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन जिम्मेदार है। हिमालय क्षेत्र में पिछले पांच दशकों में माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर 2 से 5 किलोमीटर सिकुड़ गए हैं। इसके अलावा हिमालय के 76 फीसद ग्लेशियर चिंताजनक गति से सिकुड़ रहे हैं। कश्मीर और नेपाल के बीच गंगोत्री ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ते ग्लेशियर का एक अन्य उदाहरण है। अनुमानित भूमंडलीय तापन से जीवों का भौगोलिक वितरण भी प्रभावित हो सकता है। पृथ्वी पर करीब 12 करोड़ वर्षों तक राज करने वाले डायनासोर नामक दैत्याकार जीवों के समाप्त होने का कारण संभवतः ग्रीन हाउस प्रभाव ही था। निश्चित रुप से मनुष्य के विकास के लिए प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का दोहन आवश्यक है। पर उसकी सीमा भी निर्धारित होनी चाहिए। स्टाकहोम सम्मेलन 1972 में मानवीय पर्यावरण पर घोषणा हुई।

सैद्धांतिक रूप से पृथ्वी के प्राकृतिक द्रव्यों जिनमें वायु, पानी, भूमि तथा पेड़-पौधे शामिल हैं, को वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों के लिए सावधानीपूर्ण तथा उपयुक्त योजना तथा प्रबंध द्वारा सुरक्षित रखने पर बल दिया गया। 1992 के रिओ शिखर सम्मेलन में कहा गया कि स्थायी विकास के सभी सरोकारों का केंद्र-बिंदु मानव जाति ही है और उसे प्रकृति के साथ पूर्ण समरसता रखते हुए स्वस्थ एवं उत्पादनशील जीवन जीना चाहिए, लेकिन ये सभी सिद्धांत कागजों तक ही सीमित है। उसका अनुपालन नहीं हो रहा है। लेकिन गौर करें तो आज भी मनुष्य अपने दुराग्रहों के साथ ही खड़ा है। प्रकृति से उसका खिलवाड़ का तरीका पहले से भी जघन्य हो गया है। नतीजा सामने है। प्रकृति भी प्रतिक्रियावादी बनती जा रही है। पर विडंबना है कि मानव जाति समझने को तैयार नहीं। किंतु उसे समझना ही होगा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर वह स्वयं को सुरक्षित नहीं रख सकता।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन को स्थिर रखना ही है जीवन का सूत्र

संकलित

दर्शन

काम, क्रोध, लोभ और मोह की स्वाभाविक वृत्तियों से घिरा हुआ मनुष्य जब अपनी असत दृष्टि से इनमें आनंद का अनुभव करने लगता है, तो उसे यह संसार खुशनुमा लगने लगता है। काम अर्थात इच्छा। जब भी किसी व्यक्ति के मन में उठी इच्छा की पूर्ति होती है, तो वह परम आनंद को प्राप्त होता है, पर वह यह भूल जाता है कि उसकी यह इच्छापूर्ति उसी तरह से उसके मन में एक और इच्छा जागृत करके उसके चित्त को अव्यवस्थित कर देगी, जिस तरह से जलती हुई अग्नि पूरी मात्रा में घी पाने पर भी बुझती नहीं है, अपितु और वेग से जलने लगती है। इसी भांति से यदि अन्य किसी व्यक्ति के साथ विचार भिन्नता होती है तो वे दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की हानि करने के लिए तत्पर हो जाते हैं और अपने चित्त की सहज शांति खो बैठते हैं। इस स्थिति में जिसकी हानि होती है वह तो दुखी होता ही है, जो लाभ में रहता है वह भी हारे हुए पक्ष की ओर से आने वाली संभावित प्रतिक्रिया से हर दम चिंता में डूबा रहता है। और इस तरह से क्रोध भी व्यक्तियों को पीड़ित करने का कारण ही बनता है। वहीं लोभ और मोह की असीमित शक्ति का तो यह हाल है कि हम अपना पूरा का पूरा जीवन इसमें लगा देते हैं कि हमारे पास इतनी अथाह संपत्ति हो, जिसकी बराबरी धरती का कोई भी दूसरा व्यक्ति कभी न कर सके और हमारी अपनी संतान भी ऐसी हो, जिसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता का कोई मुकाबला न हो सके। रावण से लेकर कंस आदि के उदाहरण हमारे सामने हैं, जो अपने जीवन में अपनी ऐसी ही मानसिक विकृतियों से कभी भी पार नहीं पा सके।

आखिर कर्म ही महान

संकलित

प्रेरणा

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछाः कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुनः बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है।

अंतर्मन

आज की पाती

जरूरत से ज्यादा विनम्र होना भी ठीक नहीं

जरूरत से ज्यादा विनम्र होना और किसी को अधिक सम्मान देना भी आज के समय में कई बार एक बड़ी मूर्खता प्रतीत होती है। वे लोग आपको/हमें लगभग उनका दास ही समझने लगते हैं, विशेषकर बड़े प्रशासनिक अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं के विषय में। मुख्यतः, यदि कुछ प्रशासनिक अधिकारी ईमानदार और पूर्णतः संवैधानिक विषयों, कार्यों में भी सहयोग नहीं करते हैं, तो ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध निर्भीक होते हुए कानूनी तरीके से निःसंकोच होकर अवश्य ही अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए। हमारे पूर्ण मर्यादा में रहते हुए, उन लोगों को भी कुछ सेंक/आंच महसूस होनी चाहिए। ये हम सभी को बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए कि बड़े से बड़े प्रशासनिक अधिकारी और चुने हुए प्रतिनिधि जनता की सेवा करने के लिए ही होते हैं, जनमानस-नागरिकों पर राज करने के लिए नहीं।

- विवेक सक्सेना, भिलाई

ट्रेंड

कल्याणकारी राजनीति

पिछले एक दशक में, भारत में मोदी जी के नेतृत्व में कल्याणकारी राजनीति का रूपांतरण हुआ है और यह सेवा, सुशासन और सशक्तिकरण के एक नए मॉडल में तब्दील हो गई है।

- सम्राट चौधरी, सीएम, बिहार

कबीले के साथ विश्वासघात

जो अपने ही कबीले के साथ विश्वासघात करते है...वे अंत में दुखी आत्माओं के रूप में भटकते रहते है! कुछ लोग बड़े-बड़े दावे करने के लिए मोहरे बन रहे है; अगर मोहरा बनना ही है, तो कम से कम कुछ बेहतर बनो—सिर्फ एक सिपाही बनकर रहना ठीक नहीं है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

भाजपा की अक्षमता

मोदी सरकार न केवल स्वास्थ्य सेवा और पोषण को लेकर भारत की महिलाओं और बच्चों को धोखा देती है, बल्कि यह जानबूझकर महत्वपूर्ण डेटा भी छिपाती है जो इसकी विफलताओं को उजागर करता है। एनएफएचएस-6 डेटा से भाजपा की पूर्ण अक्षमता उजागर हो गई है।

-मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

अपार जनविश्वास

मोदी सरकार को विरासत में एक मजबूत अर्थव्यवस्था, सुदृढ़ संस्थाएं और अपार जनविश्वास मिला था। लेकिन महज एक दशक में इसने इन तीनों को कमजोर कर दिया है। मोदी जी का समय समाप्त हो गया है।

-वाईएस शर्मिला, कांग्रेसाध्यक्ष, आंध्र प्रदेश

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

थ्येनआनमन स्क्वायर पर नहीं जाने की चेतावनी

चीन का प्रशासन 1989 में थ्येनआनमन स्क्वायर पर विद्यार्थियों के नेतृत्व में हुए लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों के खिलाफ की गयी सैन्य कार्रवाई की यादों को मिटाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। इस वर्ष प्रशासन ने इस घटना के पीड़ितों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसी पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी यह घटना बृहस्पतिवार को आज के ही दिन 37 साल पहले घटी थी। यह जनमानस से इस घटना को पूरी तरह मिटाने के लिए वर्षों से जारी अभियान का एक और कड़ा कदम है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पुलिस ने इस कार्रवाई में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसी पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, इस घटना में मारे गये लोगों के परिजन पिछले 30 सालों के दौरान पुलिस की निगरानी में कब्रिस्तान में जाकर श्रद्धांजलि देते रहे हैं। ये परिजन, 'थ्येनआनमन मदर्स' नाम के एक समूह से जुड़े हैं। चीनी सेना ने वर्ष 1989 में थ्येनआनमन चौक पर प्रदर्शनकारियों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश करने वाली भीड़ को कुचलते हुए हजारों लोगों को मार गिराया था।

ऑफ बीट

दर्द का आकलन 'लाई डिटेक्टर टेस्ट' की तरह नहीं हो सकता

आधुनिक मस्तिष्क स्कैनिंग तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग के बीच वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि किसी व्यक्ति के दर्द का आकलन 'लाई डिटेक्टर टेस्ट' (झूठ पकड़ने वाली मशीन से जांच) की तरह नहीं किया जा सकता, क्योंकि दर्द एक व्यक्तिगत अनुभव है जिसे केवल तकनीकी संकेतों के आधार पर प्रमाणित या खारिज नहीं किया जा सकता। वैज्ञानिकों का कहना है कि पुराना या दीर्घकालिक दर्द अक्सर दिखाई नहीं देता, लेकिन इसका असर व्यक्ति के जीवन पर गहरा पड़ता है। वैज्ञानिक ने दावा किया कि मस्तिष्क स्कैन में कोच के दर्द के संकेत दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद मामला उस राशि से दस गुना अधिक पर सुलझा, जितनी राशि नियोक्ता पहले देने को तैयार था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह निष्कर्ष वैज्ञानिक रूप से उतना स्पष्ट नहीं है जितना प्रतीत होता है। उनका तर्क है कि यदि कोई विशेषज्ञ यह दावा कर सकता है कि स्कैन में दर्द दिखाई दे रहा है, तो वही तकनीक किसी दूसरे मामले में यह भी निष्कर्ष निकाल सकती है कि व्यक्ति दर्द का नाटक कर रहा है। यही स्थिति इस तकनीक को विवादास्पद बनाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, पुराना दर्द उन चिकित्सीय स्थितियों में से एक है जिन पर अक्सर संदेह किया जाता है।

राजस्थान को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने में हर नागरिक दे योगदान : भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। बिजली और पानी की बचत, अधिक से अधिक पौधारोपण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाकर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। जयपुर स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं पर कार्य कर रही है। उन्होंने आमजन से वर्षा ऋतु में 'मिशन हरियालो राजस्थान' के तहत अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत अभियान, मिशन लाइफ, नमामि गंगे, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम और पीएम सूर्य घर योजना जैसी पहलों ने पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा दी है। वहीं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान ने लोगों में प्रकृति के प्रति जागरूकता और भावनात्मक जुड़ाव पैदा किया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मिशन हरियालो राजस्थान के तहत अगले पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अब तक लगभग 19 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं और वर्ष 2026 में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम'

अभियान में राजस्थान ने देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में भी बड़े स्तर पर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री के 'कैच द रेन' अभियान से प्रेरित होकर शुरू किए गए 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के माध्यम से प्रवासी राजस्थानी अपनी जन्मभूमि में जल संरक्षण कार्यों से जुड़ रहे हैं। वहीं गंगा दशहरा के अवसर पर शुरू किया गया 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' अब जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इस अभियान में 1 करोड़ 80 लाख महिलाओं सहित लगभग 4 करोड़ नागरिकों ने भागीदारी निभाई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि चयनित जिलों में नमो चंदन वन विकसित किए जा रहे हैं, जहां 11-11 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं। जिला मुख्यालयों पर नमो नर्सरी, पंचायत समिति स्तर पर नमो वन, 16 जिलों में मॉडल ऑक्सीजन जोन और 21 जिलों में गोबरधन योजना के तहत बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही 29 अमृत शहरों में वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट विकसित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अलवर और भिवाड़ी में अर्ली वार्निंग सिस्टम का शुभारंभ किया। साथ ही राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (आरएसपीसीबी) और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के बीच तकनीकी सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने आरएसपीसीबी के चार नए क्षेत्रीय कार्यालयों का शिलान्यास, सात नई पौधशालाओं तथा आठ प्रे-बेस ऑग्मेंटेशन एनक्लोजर्स का लोकार्पण भी किया। इसके अलावा कैम्पा योजना के अंतर्गत निर्मित वन चौकियों और आवासीय भवनों का उद्घाटन भी किया गया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने 'प्रकृति से प्रेरित' प्रदर्शनी का उद्घाटन कर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में एक भावुक क्षण तब देखने को मिला जब एक छोटे बच्चे ने मंच पर पहुंचकर मुख्यमंत्री से ऑटोग्राफ मांगा। मुख्यमंत्री ने बच्चे को स्नेहपूर्वक ऑटोग्राफ देकर उसका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, पर्यावरणविद् और प्रकृति प्रेमी उपस्थित रहे। समारोह में पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और हरित विकास को लेकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया गया।

ब्रीफ खबरें

वासुदेव देवनानी ने किए श्री बद्रीनाथ धाम में भगवान बद्रीविशाल के दर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उत्तराखंड प्रवास के दौरान शुक्रवार को श्री बद्रीनाथ धाम पहुंचे। देवनानी ने भगवान बद्रीविशाल के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने राजस्थान सहित समस्त देशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। स्पीकर देवनानी ने भगवान बद्रीविशाल के समक्ष राष्ट्र की उन्नति, सामाजिक समरसता, जनकल्याण एवं विश्व शांति के लिए प्रार्थना की। देवनानी ने कहा कि श्री बद्रीनाथ धाम सनातन संस्कृति, आस्था और अध्यात्म का केंद्र है, जहां श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि हिमालय की पावन वादियों में स्थित श्री बद्रीनाथ धाम भारत की प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का गौरवशाली प्रतीक है। यह तीर्थस्थल देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का भी केंद्र है तथा यह मानवता, सद्भाव, सेवा और आध्यात्मिक मूल्यों का संदेश देता है। देवनानी ने देवभूमि उत्तराखंड की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे पवित्र धाम भारतीय संस्कृति की जड़ों को सुदृढ़ करने और भावी पीढ़ियों को अपनी विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुखद, सुरक्षित एवं समृद्ध जीवन की मंगलकामना करते हुए भगवान बद्रीविशाल से सभी पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की।

राज्यसभा चुनाव: नीरज डांगी ने भरा नामांकन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीटों के लिए होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के तहत कांग्रेस उम्मीदवार नीरज डांगी ने शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने रिटर्निंग अधिकारी भारत भूषण शर्मा के समक्ष नामांकन प्रस्तुत किया। नामांकन दाखिल करने के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीकाराम जूली, गोविंद सिंह डोटासरा, अशोक गहलोत और रफीक खान भी मौजूद रहे।

नगर निगम मुख्यालय में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम मुख्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संभागीय आयुक्त वी. सरवणे एवं निगम आयुक्त ओम कसेरा ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित राजस्थान का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संभागीय आयुक्त वी. सरवणे ने कहा कि प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर और उनकी देखभाल करके ही हरित राजस्थान के संकल्प को साकार किया जा सकता है। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त और निगम आयुक्त ने टर्मिनेलिया तथा बिल्व पत्र के पौधे लगाए। अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल, उपायुक्त (उद्यान) नीलम सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

विधिक सेवा प्राधिकरण में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सदस्य सचिव हरि ओम अत्रि ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदस्य सचिव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक और सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान सभी उपस्थित लोगों ने स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

कौशल विकास से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना बोर्ड का मुख्य उद्देश्य : रामगोपाल सुथार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड की तृतीय गवर्निंग बोर्ड बैठक शुक्रवार को बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में कौशल विकास, रोजगार सृजन और स्वरोजगार को बढ़ावा देने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए रामगोपाल सुथार ने कहा कि बोर्ड का मुख्य उद्देश्य कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनके लिए बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ युवाओं को आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण देकर रोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा सकता है। इस अवसर पर कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के आयुक्त एवं प्रबंध निदेशक ऋषभ मंडल ने बोर्ड की विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विभाग युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करने और उनकी कौशल क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। बैठक में पारंपरिक कौशलों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने, स्वरोजगार के नए अवसर विकसित करने तथा अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव और निर्णय लिए गए। साथ ही आगामी कार्ययोजनाओं और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। बैठक में कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा सहित कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक के बाद विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बोर्ड कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार और अधिकारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सुथार ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है और वृक्षारोपण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सतत संकल्प है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया।

महाराष्ट्र ने सराहा राजस्थान का स्वास्थ्य मॉडल, 'मा योजना' और नि:शुल्क दवा व्यवस्था बनी मिसाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाशराव अभितकर और वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान का दौरा कर राज्य की स्वास्थ्य योजनाओं, नवाचारों और बेहतर व्यवस्थाओं का अध्ययन किया। जयपुर स्थित स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में महाराष्ट्र के प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान के स्वास्थ्य मॉडल की सराहना करते हुए इसे देश के लिए अनुकरणीय बताया।

बैठक में महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राजस्थान में संचालित मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) योजना स्वास्थ्य क्षेत्र में एक दूरदर्शी और प्रभावी पहल है। उन्होंने कहा कि यह योजना आम नागरिकों को इलाज के खर्च की चिंता से मुक्त कर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है। साथ ही मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा एवं जांच योजना की भी उन्होंने खुलकर प्रशंसा की और कहा कि महाराष्ट्र सरकार भी राजस्थान की इन सफल योजनाओं और बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपनाने पर विचार करेगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्रदेश में करीब 1.36 करोड़ परिवार मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना से जुड़े हैं और उन्हें 25 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रतिदिन लगभग 10 हजार लोग इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। राजस्थान देश में सबसे अधिक स्वास्थ्य बीमा कवरेज देने वाला राज्य बन चुका है, जहां करीब 90 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्य बीमा से आच्छादित है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में करीब 23 हजार चिकित्सा संस्थानों का मजबूत नेटवर्क विकसित किया गया है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए 28 मिल्क बैंक और 40 लेक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट स्थापित की गई हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया नियंत्रण के लिए एफसीएम इंजेक्शन जैसे नवाचार भी प्रभावी साबित हुए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जोगाराम ने बताया कि डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं में भी राजस्थान अग्रणी है। राज्य में 7 करोड़ से अधिक आभा आईडी बनाई जा चुकी हैं। वहीं रामाश्रय वार्ड, मिशन मधुहारी, पिंक पखवाड़ा, निरामय राजस्थान और मिशन लीवर स्माइल जैसी अभिनव पहलें भी सफलतापूर्वक संचालित की जा रही हैं।

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के अनुसार प्रदेश में 1822 प्रकार की दवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। इसके लिए 40 ड्रग वेयरहाउस और मजबूत गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली विकसित की गई है। वर्तमान में करीब 1500 करोड़ रुपये की दवाएं हर वर्ष आमजन को नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। दौरे के दौरान महाराष्ट्र के प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर के हवा सड़क स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और बनीपार्क सेटेलाइट अस्पताल का भी निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और सेवा गुणवत्ता की सराहना की। राजस्थान की स्वास्थ्य योजनाओं और नवाचारों को देखकर प्रतिनिधिमंडल ने माना कि राज्य का स्वास्थ्य मॉडल अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्रोत बन सकता है।

राजस्थान एनर्जी सरप्लस स्टेट बनने की राह पर, दो साल से नहीं हुई लोड शेडिंग : हीरालाल नागर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार के प्रभावी बिजली प्रबंधन और उत्पादन क्षमता में वृद्धि के चलते राजस्थान एनर्जी सरप्लस स्टेट बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों से प्रदेश में कहीं भी लोड शेडिंग नहीं की गई है और बढ़ती मांग के बावजूद उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। विद्युत भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस वर्ष राज्य की एनर्जी एक्सचेंज पर निर्भरता काफी कम हुई है। पिछले वर्ष अप्रैल और मई में जहां बड़ी मात्रा में बिजली खरीदनी पड़ी थी, वहीं इस बार स्वयं के स्रोतों से उत्पादन बढ़ाकर खरीद में उल्लेखनीय कमी लाई गई है। इतना ही नहीं, राज्य ने अतिरिक्त बिजली एनर्जी एक्सचेंज को बेचकर राजस्व भी अर्जित किया है। उन्होंने बताया कि कुसुम-2.0 योजना के तहत राजस्थान को 6 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता आवंटित किए जाने का प्रस्ताव है। इसके साथ बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम विकसित किया जाएगा, जिससे दिन में उत्पादित सौर ऊर्जा को संग्रहित कर रात के समय उपयोग में लिया जा सकेगा। पूगल सोलर पार्क सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता भी बढ़ाई जा रही है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश की 23 कोयला आधारित थर्मल इकाइयों ने हाल ही में 7,171 मेगावाट बिजली उत्पादन कर नया रिकॉर्ड बनाया है। किसानों को बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए 26 जिलों में दो ब्लॉक सप्लाई व्यवस्था लागू की जा चुकी है और शेष जिलों में भी इसे शुरू करने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदेश की अधिकतम बिजली मांग 17,333 मेगावाट रही, जिसे बिना किसी कटौती के पूरा किया गया। साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कॉल सेंटर, कंट्रोल रूम और विशेष फॉल्ट रिपेयर टीमों को सक्रिय रखा गया है। राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए 805 ईवी चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित किए जा रहे हैं।

'खेत बचाओ अभियान' को जनआंदोलन बनाएं : कृषि मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कृषि वैज्ञानिकों से 'खेत बचाओ अभियान' को जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया है। गुरुवार को पंत कृषि भवन में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि स्वस्थ मिट्टी, जल संरक्षण और जागरूक किसान ही समृद्ध राजस्थान की पहचान हैं। कृषि मंत्री ने बताया कि 1 से 30 जून तक चलाए जा रहे 'खेत बचाओ अभियान' के पहले तीन दिनों में प्रदेशभर में 2,382 कृषि गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से 77,806 किसानों से सीधा संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान 294 कृषक गोष्ठियों में 13,273 किसानों को खेती से जुड़ी जानकारी दी गई, जबकि 184 जागरूकता कार्यक्रमों में 8,987 किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि चौपालों के माध्यम से 127 जनप्रतिनिधियों तथा 312 अधिकारियों और कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया। वहीं कृषि सखी, पशु सखी, लखपति दीदी और नमो ड्रोन दीदियों के माध्यम से जैविक एवं नैनो उर्वरकों के उपयोग का संदेश गांव-गांव पहुंचाया जा रहा है। किरोड़ी लाल ने कहा कि खरीफ सीजन के लिए राज्य में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। वर्तमान में सोसायटियों और डीलरों के पास 8.27 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का भंडार उपलब्ध है, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने जून माह के लिए 4.70 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त उर्वरक आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि यूरिया की कालाबाजारी और अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए राज्य की सीमाओं पर 61 चेकपोस्ट सक्रिय हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लाइसेंस निलंबन और जब्ती जैसी सख्त कार्रवाई की जा रही है। कृषि मंत्री ने किसानों और जनप्रतिनिधियों से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा कि वे अपनी कम से कम 25 प्रतिशत भूमि पर जीवामृत, वर्मी कम्पोस्ट और हरी खाद आधारित खेती अपनाएं। साथ ही जल संरक्षण के लिए फार्म पॉन्ड, मेड़बंदी तथा ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धतियों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर दिया।

जयपुर नगर निगम की कार्रवाई: अतिक्रमण हटाया, सामान जब्त

जयपुर। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एसएमएस अस्पताल, ट्रोमा सेन्टर एवं माहेश्वरी पब्लिक स्कूल तिलक नगर से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 5 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 2 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एसएमएस अस्पताल, ट्रोमा सेन्टर एवं माहेश्वरी पब्लिक स्कूल तिलक नगर से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 2 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 5 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

अपराधियों की अवैध संपत्तियों पर राजस्थान पुलिस का बड़ा प्रहार, 220 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्ती की कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर राजस्थान पुलिस ने अपराधियों और माफिया नेटवर्क के खिलाफ आर्थिक मोर्चे पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है। राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अब अपराधियों को केवल जेल भेजने तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि अपराध से अर्जित उनकी अवैध संपत्तियों को भी जब्त किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 107 के तहत प्रदेशभर में 636 हार्डकोर अपराधियों की पहचान कर उनकी 220 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्तियों को चिन्हित किया गया है। इन संपत्तियों की जब्ती और कुर्की के लिए विभिन्न न्यायालयों में कानूनी कार्रवाई जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक 584 मामलों में न्यायालयों में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए हैं। इनमें से 182 मामलों में अदालतों ने नोटिस जारी कर दिए हैं। वहीं 13 मामलों में करीब 32 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध संपत्तियां न्यायालय के आदेश से जब्त की जा चुकी हैं। बूंदी जिले में एक ही मामले में लगभग 12 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई की गई है। राजस्थान पुलिस ने अपराधियों की आर्थिक ताकत को कमजोर करने के लिए अवैध निर्माणों और संपत्तियों के खिलाफ भी अभियान चलाया है। वर्ष 2026 में 28 मई तक प्रदेशभर में 39 ध्वस्तीकरण कार्रवाइयों के तहत करीब 35 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध संपत्तियां ध्वस्त की गई हैं। इनमें झालावाड़ जिले में सबसे अधिक 12 कार्रवाइयां की गईं, जहां लगभग 22.90 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियों को गिराया गया। नशा तस्करों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और पुलिस ने जनवरी से अप्रैल 2026 के बीच 36 तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें से 28 मामलों में लगभग 33 करोड़ रुपये की संपत्तियां सीज और फ्रीज की गई हैं। कुल मिलाकर नशा तस्करों से जुड़ी करीब 66 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों पर कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। डीजीपी ने कहा कि जुलाई 2024 से लागू बीएनएसएस की धारा 107 अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने का प्रभावी कानूनी हथियार साबित हो रही है। इसके तहत जब्त की गई संपत्तियों का लाभ पीड़ितों को भी मिलेगा। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिला प्रशासन के माध्यम से पीड़ितों को उनकी संपत्ति वापस दिलाने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे अपराध से प्रभावित लोगों को न्याय और राहत मिल सकेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर काचरौली में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान

हनीस शेख

हिण्डोन सिटी (रॉयल पत्रिका)। इस दौरान करौली धौलपुर लोकसभा प्रत्याशी इंदु देवी, करौली विधानसभा प्रभारी रिंकू मीणा मंडल अध्यक्ष गीता देवी जाट शोभा तिवाड़ी मनोज तिवाड़ी अतर सिंह बेनीवाल आदि प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। मंडल अध्यक्ष ने बताया कि एक पेड मां के नाम सरकार की अनूठी योजना है जो पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है इसके तहत समस्त नागरिक यदि एक एक पौधा लगाये तो वर्तमान में जिस भीषण गर्मी से तापमान बढ़ता जा रहा है वो आने वाले वक्त में कम हो सकता है। प्रकृति संरक्षण के लिए पेड़-पौधे बहुत जरूरी होते हैं इनके माध्यम से ही पर्यावरण

संतुलन बनाए रखा जा सकता है। वर्तमान में जिस तरह एयर कंडीशनर की तरफ बढ़ते जा रहे हैं उससे तापमान में बढ़ोतरी होती जा रही है यदि इसी तरह तापमान बढ़ता रहा तो आमजन भीषण गर्मी से बेहाल होता जायेगा इसलिए जितना संभव हो पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण करना हमारा नैतिक कर्तव्य मानना पड़ेगा अन्यथा प्रकृति संतुलन लगातार कमजोर होता जायेगा।

जहीर मकरानी का हुआ भव्य स्वागत

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहर के फिरदौस कालू कॉलोनी में रॉयल बीइंग स्कूल में भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष जहीर मकरानी का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष हमीद मेवाती व भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील भण्डारी का आभार व्यक्त किया गया। इस स्वागत कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष अजीज कोहिनूर, मदरसा बोर्ड के पूर्व संयोजक वसीम रमजान खोखर, पार्षद ओमप्रकाश का भी स्वागत किया गया। विद्यालय के संचालक खुर्शीद आलम शेरानी ने सभी का आभार व्यक्त किया। प्रोग्राम में मास्टर शरीफ खान, मास्टर हबीब खैरादी, लियाकत अजमेरी, शेरु दातार, सलीम घोसी, सिकंदर खान, मोहम्मद यासीन सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पेड़-पौधे लगाओ पर्यावरण बचाओ का दिया संदेश - चंद्रभान शर्मा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पंखा सर्किल के पास में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील पारीक के निर्देशानुसार चन्द्रभान शर्मा राजस्थान युवा विकास बोर्ड पूर्व सदस्य के नेतृत्व में पेड़ लगाने का कार्यक्रम रखा ओर पर्यावरण बचाओ का संकेत दिया। इस अवसर चंद्रभान शर्मा ने कहा पर्यावरण हमारे चारों ओर का वह प्राकृतिक आवरण है जो पृथ्वी पर जीवन का आधार है। इसमें हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे और जीव-जंतु शामिल हैं। यह हमें जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन, भोजन और शुद्ध जल प्रदान करता है। वर्तमान में बढ़ते प्रदूषण और वनों की कटाई के कारण हमारा

पर्यावरण खतरे में है। इसलिए, अधिक से अधिक पेड़ लगाकर और प्लास्टिक का उपयोग बंद करके हमें अपने पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए, क्योंकि स्वच्छ पर्यावरण में ही हमारा सुरक्षित भविष्य है। इस अवसर पर युवा कांग्रेस नेता अली हसन मलनस, प्यारेलाल बगड़िया जिला अध्यक्ष पर्यावरण प्रकोष्ठ, अर्जुन, सोयल, तुषार कौशिक, प्रदीप कल्ला, इस्पाक, नेमीचंद आदि उपस्थित रहे और पेड़ पौधे लगा कर पर्यावरण बचाओ का दिया संदेश।

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जीवन सुरक्षा उपलब्ध में रक्षा संस्थान के वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जीवन सुरक्षा एवं पर्यावरण रक्षा संस्था के वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जीवन सुरक्षा एवं पर्यावरण रक्षा संस्था के वृक्षारोपण अभियान 2026 का शुभारंभ डाकघर कार्यालय रेनवाल रोड चौमूं पर मुख्य पोस्ट मास्टर लल्लू राम मीणा के आतिथ्य एवं संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा के सानिध्य मे पीपल का पेड़ लगाकर किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हम सबको प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति एक पेड़ लगाकर उसका संतान की तरह लालन पालन करना चाहिए, चौमूं तहसील अध्यक्ष गजानंद शर्मा ने कहा कि संस्था के द्वारा

हर वर्ष की भांति वर्षा काल में 1100 फलदार एवं इसी प्रकार चौमूं तहसील के स्थित के थाना अधिकारी हरवेद्र सिंह मैं भी छायादार पेड़ वितरित करते हुए कहा कि एक वृक्ष 100 पुत्रों के सम्मान होता है। वृक्षारोपण करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। इसलिए पेड़ लगाने एवं उनकी देखभाल करने का आह्वान भी किया। एवं विभिन्न स्थानों पर लगाए जाएंगे इस अवसर पर गजानंद शर्मा, सुभाष तिवारी, अंजना सैनी, सौरभ शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल का 52वां जन्मदिन धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया

-विधायक प्रमोद भाया, उर्मिला भाया, हंसराज मीणा सहित कांग्रेसजनों, शुभचिन्तकों ने कवाई पहुंचकर दी शुभकामनाएं

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अटरू-बारां के पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल का 52वां जन्मदिन शुक्रवार को कवाई कस्बे में हजारों कांग्रेसजनों एवं शुभचिंतकों की उपस्थिति में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वेच्छा से 900 यूनिट रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर अन्ता विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया तथा जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया ने अटरू-बारां के पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल को केक काटकर उनके 52वें जन्मदिन पर शॉल, श्रीफल, माल्यार्पण करते हुए ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय, यशस्वी एवं दीर्घायु जीवन की मंगल कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी। भाया दम्पति ने कहा कि पानाचन्द मेघवाल का सार्वजनिक जीवन जनसेवा, संघर्ष और संगठन के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। उन्होंने सदैव क्षेत्र की जनता की आवाज बनकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका

निभाई है। उनके नेतृत्व और कार्यशैली ने कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ आमजन के बीच विश्वास और सम्मान अर्जित किया है। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हंसराज मीणा ने भी पानाचन्द मेघवाल को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने विधायक रहते हुए क्षेत्र के विकास एवं जनता की समस्याओं के समाधान के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। जन्मदिन के अवसर पर कांग्रेसजनों ने पानाचन्द मेघवाल, प्रमोद जैन भाया, श्रीमती उर्मिला जैन भाया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हंसराज मीणा को 52 किलो फूलों का हार पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। जन्मदिन समारोह में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, अग्रिम संगठनों एवं प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष सहित जिले भर से बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने पानाचन्द मेघवाल को पुष्पगुच्छ एवं मालाएं पहनाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। पानाचन्द मेघवाल ने कार्यक्रम में पधारे सभी कांग्रेसजनों, शुभचिन्तकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं द्वारा स्वेच्छिक रक्तदान करने पर उनका आभार व्यक्त किया तथा उपस्थित कांग्रेसजनों एवं शुभचिंतकों के लिए भोजन प्रसादी की भी व्यवस्था की गई। पूरे आयोजन में उत्साह, उमंग एवं सामाजिक सरोकारों का वातावरण देखने को मिला।

विश्व पर्यावरण दिवस पर न्यायिक अधिकारीगण द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु शपथ एवं परिंडे बांधकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर द्वारा एडीआर सेन्टर सवाई माधोपुर में जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर के न्यायिक अधिकारीगण की उपस्थिति में न्यायिक कर्मचारीगण एवं एडीआर स्टाफ को पर्यावरण संरक्षण हेतु शपथ दिलवाई गई। शपथ के माध्यम से सभी ने पर्यावरण की रक्षा, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया। इसके पश्चात जिला एवं सेशन न्यायाधीश सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर के न्यायिक अधिकारीगण द्वारा गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों के लिये परिण्डे बांधे गयें। साथ ही न्यायिक अधिकारीगण द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से जिला न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मीनाक्षी जैन विशेष न्यायाधीश पोक्सो

न्यायालय संख्या-01, प्रेमराज सिंह चन्द्रावत विशेष न्यायाधीश पोक्सो न्यायालय संख्या-02, डॉ. प्रियंका पारीक अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, मयंक पालीवाल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं कार्यवाहक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गार्गी चौधरी अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अनिता रजवानियां अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-02 सवाई माधोपुर द्वारा बेजुबान पक्षियों के लिये परिण्डे बांधकर वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सवाई माधोपुर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस विशेष तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की नियमित जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने घर एवं उसके आस-पास बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे बांधने एवं अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मयंक पालीवाल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं कार्यवाहक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण, जल स्रोतों के रखरखाव, अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

हजरत उमराव शहीद गाजी सरकार का उर्स कुल की रस्म के साथ संपन्न

-कलंदरो ने करतब दिखाए, देशभर के कव्वालो ने बांधा समां

लाडनू (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय सरकारी अस्पताल रोड बस स्टेण्ड स्थित दरगाह सैयद उमराव शहीद गाजी सरकार का 942 वां उर्स बुधवार देर रात तक देशभक्ति व इस्लामिक कव्वालियों और अकीदतमंदो की भारी भीड के बीच संपन्न हुआ। इससे पहले शाम को शेख टावर के पास से चादर शरीफ का जुलूस गाजे-बाजे और दुरदराज से आए कलंदर बाबाओ के हैरतअंगेज करतबो ने लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिया, लोगो ने कलंदरो को अपनी खुशी का नजराना भेंट किया और प्रंशषा की और सार्वजनिक रूप से दरगाह पर चादर पैश की गई। इस अवसर पर चीफ काजी सैयद मोहम्मद अली, राजस्थान बोर्ड आफ मुस्लिम वक्फस के पुर्व जिला संयोजक एंव परिवेक्षक सामाजिक कार्यकर्त्ता मो. मुशताक खान कायमखानी, मौलाना सैयद मोहम्मद मदनी आदी ने कार्यक्रम मे शिरकत गाजी फकीर उमराव शहीद सरकार की करामत और उनकी जिवनी और उनके द्वारा लोगो को दिए गए आपसी

भाईचारा के संदेश को दोहराते हुए हिन्दू मुस्लिम कौमी एकता को बढावा देने, आपसी भाईचारा कायम करने और दरगाह कब्रिस्तान के रखरखाव और सहयोग करने व एकदुसरे के दुख दर्द मे भागीदारी निभाने, लोगो की हर संभव मदद करने और अपने बच्चो के भविष्य को और बेहतर बनाने के लिए दिनी और दुनियामी तामील हांसिल करने की अपिल की है। इस कार्यक्रम मे मुम्बई से आए शुफी फंकार सलीम राजा व अजमेर, जोधपुर से आए कव्वालो के अवाला शुफी कवाल सलीम कादरी, असलम कादरी, मोहम्मद नवाज, अनवर आदी पार्टी ने एक से बढकर एक कव्वाली पैश की जिस पर लोग झुमने पर मजबूर हो गऐ। इस कार्यक्रम मै असगर शेख, दिन मोहम्मद, अल्लानूर जी, हारुन बडगुजर, असलम कोहिनूर, सरवर अली, सलीम, रमजान, आबिद, शोकत, कारूफ, दरगाह केखिदमततगार इस्माईल शाह बाबा, अयुख खा मोयल, मांगू खा सिद्ध, ज्ञानजी चौधरी, सेठू खा खोखर, तोफिक खां, बल्जी बिसायती, जगमाल जी मेघवाल, सैयद अच्छू जी, सैयद अब्दुल अजीज, मौलाना सैयद मोहम्मद शकिल, मौलाना सैयद अनवर सहित भारी संख्या मे लोगो और महिलाओ ने भी कार्यक्रम मे पहुंच कर अपनी हाजरी दरगाह मै लगाई और अपनी मनोकामना पुरी होने के लिए दुवाए की।

सृजन की सुरक्षा योजना के तहत नवजात बालिकाओं के जन्म पर वृक्षारोपण एवं ग्रीन कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी कदम उठाते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सवाई माधोपुर द्वारा रालसा वन एवं बालिका वर्ष 2025 के अंतर्गत संचालित "सृजन की सुरक्षा (ईको-फेमिनिज्म)" योजना के तहत शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आदलवाड़ा कलां में नवजात बालिकाओं के जन्म पर वृक्षारोपण एवं नवजात हरित बालिकाओं को ग्रीन कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए असिस्टेंट एलएडीसी अक्षय राजावत ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण एवं बालिका सशक्तिकरण दोनों ही समाज की महत्वपूर्ण आवश्यकताएं हैं। इसी सोच को साकार करने के लिए राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा "सृजन की सुरक्षा" योजना प्रारंभ की गई है, जिसके माध्यम से बेटियों के जन्म को प्रकृति संरक्षण से जोड़कर समाज में सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत जिले में पूर्व में चयनित खिलचीपुर एवं शेरपुर ग्राम पंचायत के अतिरिक्त अब आदलवाड़ा कलां ग्राम पंचायत को भी सम्मिलित किया गया है। चयनित ग्राम पंचायतों में प्रत्येक नवजात बालिका के जन्म पर 11 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित

किया गया है, जिनकी देखभाल बालिका के परिवार एवं स्थानीय प्रशासन के सहयोग से सुनिश्चित की जाएगी। ग्राम आदलवाडा कलां में जन्म लेने वाली प्रत्येक नवजात बालिका को एक विशिष्ट पहचान पत्र के रूप में ग्रीन कार्ड प्रदान किया गया। असिस्टेंट एलएडीसी अक्षय राजावत ने बताया कि यह ग्रीन कार्ड बालिका के सुरक्षित एवं सशक्त भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से बालिकाओं को विभिन्न विधिक सेवा योजनाओं, सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं, शिक्षा संबंधी अवसरों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा निःशुल्क विधिक सहायता तक पहुंच को सरल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेटियों को समान अवसर प्रदान करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के विभागीय अधिकारियों, नवप्रसूता माताओं, ग्रामवासियों, पैनल अधिवक्ताओं एवं अधिकार मित्रों द्वारा सामूहिक रूप से वृक्षारोपण किया गया। साथ ही प्रत्येक नवजात बालिका के परिजनों को पौधे वितरित कर उनकी उचित देखभाल एवं संरक्षण हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान पैनल अधिवक्ता नन्दकिशोर बैरवा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाये जाने के उद्देश्य, पर्यावरण संरक्षण के उपायों, वृक्षारोपण के महत्व, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, मानव जीवन और प्रकृति के बीच संतुलन आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता तपेश जैन ने उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों, ग्रामवासियों एवं अन्य आमजन को पौधारोपण के महत्व, पेड़-पौधों से होने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित लोगों को लिंग आधारित भेदभाव समाप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर ग्राम आदलवाडा कलां के सरपंच विमल कुमार मीना, ग्राम विकास अधिकारी निशांत स्वर्णकार, सीडीपीओ ऑफिस से सुपरवाइजर रणजीत कौर, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सर्वोच्च मिश्रा, जिला परिषद सदस्य धनपाल मीणा, अधिकार मित्र बुनियाद अली, सुनिता जोनवाल, मोरसिंह गुर्जर, आशाराम नागर, चन्दन मीना सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ध्रुव चरित्र सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के तीसरे दिन भक्ति, भाव और उल्लास का अद्भुत संगम

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थानीय श्रीराम मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के तीसरे दिन शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का अनुपम दृश्य देखने को मिला। कथा पंडाल में कथा प्रारंभ से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। महिलाओं, युवाओं एवं वरिष्ठजनों सहित बड़ी संख्या में हरि प्रेमियों ने कथा श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। पूरा वातावरण भगवान के जयकारों, भजनों और भक्ति भाव से सराबोर रहा। वृंदावन धाम से पधारे परम श्रद्धेय कथा व्यास श्री हरीश ठाकुरजी महाराज ने अपनी ओजस्वी एवं मधुर वाणी से कर्दम-देवहूति चरित्र, कपिल भगवान के अवतार तथा परम भक्त ध्रुव की प्रेरणादायी कथा का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। महाराज श्री ने कहा कि सच्ची श्रद्धा, दृढ़ संकल्प और अटूट भक्ति के बल पर मनुष्य असंभव

को भी संभव बना सकता है। ध्रुव जी की कथा केवल एक बालक की तपस्या की कहानी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, समर्पण और ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास का अमर संदेश है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी भगवान का स्मरण करता है, उसे जीवन में अवश्य सफलता और परम कृपा प्राप्त होती है। ध्रुव चरित्र के मार्मिक प्रसंगों का वर्णन सुनकर अनेक श्रद्धालुओं की आँखें नम हो गईं। कथा पंडाल में उपस्थित भक्तजन भाव-विभोर होकर भगवान के नाम का स्मरण करते रहे। वातावरण ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं भक्ति और श्रद्धा ने वहाँ साकार रूप धारण कर लिया हो। भजनों की मधुर स्वर लहरियों पर झूमे श्रद्धालु कथा के मध्य प्रस्तुत किए गए भक्तिमय भजनों ने पूरे पंडाल को कृष्णमय बना दिया। जैसे ही "राधे-राधे" और "हरे कृष्ण" के संकीर्तन की स्वर लहरियाँ गूँजीं, श्रद्धालु अपने स्थानों से उठकर भक्ति भाव में झूमने लगे। पुरुष, महिलाएँ और युवा भगवान के नाम का संकीर्तन करते हुए नृत्य करने लगे। पूरे पंडाल में "जय श्रीकृष्ण", "राधे-राधे" और "हरे राम-हरे कृष्ण" के जयघोष निरंतर गूंजते रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर महवा नगर पालिका की पहल

वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और जनजागरूकता रैली से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका महवा द्वारा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका स्टाफ, सफाई कर्मचारी, नरेगा कार्मिक, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर नगर पालिका स्टेडियम परिसर में सघन वृक्षारोपण किया गया तथा सभी उपस्थित लोगों ने पौधों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर आयोजित बैठक में अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन को सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का बहिष्कार करने, जल संरक्षण अपनाने तथा प्रकृति

की रक्षा के लिए जागरूक किया गया। सभी जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों से अपने-अपने वार्डों में इस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू कराने का आग्रह किया गया, ताकि आने वाले समय में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बन सके। कार्यक्रम की कड़ी में "स्वच्छ महवा, सुंदर महवा" के संदेश के साथ विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर नागरिकों को स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया। वहीं खेल स्टेडियम से बस स्टैंड तक स्वच्छता जनजागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया।

जलवायु परिवर्तन से राजस्थान में बढ़ रहा है संकट, कई तरह की चुनौतियों से पार पाने में मीडिया की बड़ी भूमिका बोले चीफ UNICEF के. एल. राव

-कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ मीडिया कार्यशाला का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। यूनिसेफ और फ्यूचर सोसायटी की ओर से कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में आयोजित मीडिया राउंडटेबल में पत्रकारों के साथ ही पर्यावरण व मौसम से जुड़े एक्सपर्ट्स के साथ विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान प्रदेश में बढ़ती हीटवेव, जल संकट, अनियमित वर्षा और सूखे जैसी परिस्थितियों का स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और जल सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों पर मंथन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में यूनिसेफ के राजस्थान प्रमुख रूषभ हेमानी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का नहीं, बल्कि वर्तमान का विकासात्मक संकट बन चुका है। इसका सबसे अधिक असर बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और कमजोर वर्गों पर पड़ रहा है। विशेष रूप से अत्यधिक गर्मी और जल संकट की दोहरी चुनौती महिलाओं और बालिकाओं पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में राजस्थान में पहली बार राज्य स्तरीय जलवायु परामर्श बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें विभिन्न विभागों, तकनीकी संस्थानों और विकास साझेदारों ने मिलकर राज्य के सामने उभर रहे जलवायु जोखिमों पर चर्चा की। इस पहल से जलवायु अनुकूलन के लिए साझा रणनीति और विभागों के बीच समन्वय को मजबूती मिली।

इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए चीफ UNICEF के.एल. राव ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में यूनिसेफ ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के क्रियान्वयन में सहयोग दिया है। इसके तहत राज्य के सभी जिलों में जिला जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम स्थापित किए गए हैं, जो जलवायु जनित स्वास्थ्य जोखिमों की पहचान, निगरानी और आपदा के समय बेहतर समन्वय सुनिश्चित कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यूनिसेफ ने स्कूल शिक्षा विभाग के साथ मिलकर सरकारी विद्यालयों के लिए हीटवेव शिक्षण मॉड्यूल विकसित किया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को अत्यधिक गर्मी के कारणों, उससे होने वाली बीमारियों, बचाव के उपायों, जल संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जल सुरक्षा को जलवायु लचीलापन का आधार बताते हुए हेड मेट्रोलॉजिकल सेंटर, राधेश्याम शर्मा ने कहा कि बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा और भूजल दोहन के कारण राजस्थान के जल संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) तथा अन्य विभागों के साथ मिलकर स्रोत संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन, जल बजटिंग और निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही 'विकसित राजस्थान-2047' की परिकल्पना के तहत जल सुरक्षित राजस्थान के लिए प्रमुख संकेतकों के निर्धारण में भी सहयोग दिया गया है।

कार्यशाला के दौरान दो ऑनलाइन सत्र आयोजित किए गए, जिसमें क्लाइमेट चेंज एंड एनवायरनमेंट सस्टेनेबिलिटी स्पेशलिस्ट UNICEF, युसूफ कबीर और आई.आई.पी.एच. के प्रोफेसर महावीर गोलछा ने बढ़ते तापमान से बचाव के उपायों की जानकारी दी और सरकारी प्रयासों का ब्योरा पेश किया। पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए यूनिसेफ स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को सुदृढ़ करने में भी तकनीकी सहयोग प्रदान कर रहा है। रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) और सामुदायिक आधारित अपशिष्ट प्रबंधन मॉडल को बढ़ावा देकर स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है।

कम्युनिकेशन स्पेशलिस्ट UNICEF, अंकुश सिंह ने बताया कि युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यूनिसेफ राजस्थान युवा बोर्ड के साथ मिलकर 'यूथ फॉर क्लाइमेट एक्शन' पहल शुरू कर रहा है। स्वामी विवेकानंद युवा पोर्टल के माध्यम से युवाओं को जलवायु विज्ञान, जलवायु नीति, हरित रोजगार, सतत विकास, कार्बन बाजार और सामुदायिक नेतृत्व जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य राज्यभर में जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक और सक्रिय युवा नेतृत्व तैयार करना है। फ्यूचर सोसाइटी की सचिव डॉ. मीणा शर्मा ने बताया कि आने वाले वर्षों में जलवायु अनुकूल स्वास्थ्य सेवाओं, जल सुरक्षा, जलवायु-स्मार्ट स्कूलों और युवाओं की भागीदारी को और मजबूत किया जाएगा, ताकि बदलते पर्यावरणीय परिदृश्य में बच्चों के जीवन, शिक्षा और भविष्य को सुरक्षित रखा जा सके। इस कार्यशाला में जयपुर के गोवर्धन चौधरी, रघु आदित्य, अर्चना शर्मा, शोहेब खान, कैलाश चौधरी, RJ शिवांगी, अरविन्द पालावत, वेद प्रकश सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

ब्रीफ खबरें

जनगणना कार्य का निरीक्षण, फील्ड कार्मिकों को समय पर कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले में संचालित जनगणना-2027 के प्रथम चरण "मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना" कार्य के तहत चूरू उपखंड जनगणना अधिकारी धीरज झाझड़िया ने नगरपरिषद् क्षेत्र चूरू में जनगणना कार्य का फील्ड निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गणना कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा फील्ड में कार्यरत कार्मिकों से संवाद कर आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु दिशा— निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जनगणना कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने की बात कही।

भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने पौधा लगाकर की "एक पेड़ मां के नाम" अभियान की शुरुआत

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने अपने निवास पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संकल्प लिया। भाजपा जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि जिलाध्यक्ष ने वृक्षारोपण कर "एक पेड़ मां के नाम अभियान" की शुरुआत भी की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि हम सभी अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुनिश्चित करने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद अटल, पार्षद ओमी कटारिया उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुस्लिम महासभा द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया

हनीस शेख

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुस्लिम महासभा द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत छायादार एवं फलदार पौधे लगाकर लोगों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। मुस्लिम महासभा के प्रदेश महासचिव मोहम्मद रफीक ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे न केवल वातावरण को हरा-भरा बनाते हैं, बल्कि हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान कर जीवन को सुरक्षित और स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पौधों की नियमित देखभाल और अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुस्लिम महासभा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अजीम खान चिनायटा, जिला मीडिया प्रभारी करौली हनीस शेख कुतकपुर, मोहम्मद असलम, अमन खान, डॉ. रईस सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ

हनीस शेख

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष हामिद खान मेवाती के निर्देशानुसार हिंडौन मंडल में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष आमिर खान की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला संयोजक मोहम्मद यामीन खान, सहसंयोजक डॉ. आमिर खान, समिति सदस्य नासिर खान, फारूक खान, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अल्लाह नूर खान, राजू कुरैशी, राशिद भाई एवं ग्रामीण मंडल अध्यक्ष शहाबुद्दीन सहित बड़ी संख्या में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। "एक पेड़ मां के नाम" अभियान न केवल प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है, बल्कि मातृ सम्मान का भी संदेश देता है। सभी उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित राजस्थान के निर्माण के लिए सभी कार्यकर्ताओं ने जन-जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं खरीफ पूर्व कृषक गोष्ठी

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन अधिकरण (आत्मा) में 5 जून 2026 को आत्मा सभागार प्रशिक्षण हॉल में खरीफ पूर्व कृषक गोष्ठी एवं पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में प्राकृतिक खेती कार्यशाला का संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) जिला परिषद्, डूंगरपुर दलीप सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। अतिथियों एवं कृषकों का स्वागत उदबोधन सोहन लाल मीणा उप परियोजना निदेशक आत्मा, डूंगरपुर द्वारा किया गया साथ ही विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। डॉ. विकास कुमार चेचानी, उप निदेशक उद्यान, डूंगरपुर द्वारा उद्यान विभाग की समस्त योजनाओं यथा, ड्रिप सिचांई संयत्र, फव्वारा, मिनि फव्वारा, ग्रीन हाऊस स्थापना, मल्चिंग, बगीचा स्थापना, कम लागत प्याज भण्डारण स्थापना सोलर पम्पसेट की जानकारी दी गई एवं कृषक मोतीलाल निवासी उन्दरडा को सोलर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर माला पहनाकर सम्मानित किया गया। डॉ. शान्तनु शर्मा, पशुपालन विभाग, डूंगरपुर द्वारा पशुओं को मौसमी बीमारियों

से बचने हेतु टीकाकरण की जानकारी दी साथ ही मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना एवं कृत्रिम गर्भाधान द्वारा नस्ल सुधार तकनीक की जानकारी दी गई। डॉ. दलीप सिंह, संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) जिला परिषद्, डूंगरपुर द्वारा कृषि विभाग की समस्त योजनाओं की जानकारी दी गई, यथा, तारबंदी, फार्म पौण्ड निर्माण, कृषि यंत्र, सिचांई पाईप लाईन, वर्मीकम्पोस्ट स्थापना, पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में प्राकृतिक खेती मिशन योजना एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व की जानकारी दी। विनोद कुमार पटेल एवं प्रकाश पाटीदार कृषि अधिकारी द्वारा कृषकों को प्राकृतिक खेती का महत्व समझाते हुए बीजामृत, जीवामृत, नीमास्त्र, बह्मस्त्र निर्माण करने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन रामकुमार कटारा, सहायक कृषि अधिकारी एवं आभार प्रदर्शन दीपक पाटीदार, सहायक कृषि अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जीवराम ताबियाड कृषि अधिकारी, प्रियंका डामोर कृषि पर्यवेक्षक, प्रियंका दायमा वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक एवं विभाग के समस्त कर्मचारी एवं अधिकारी गण उपस्थित रहे। उप निदेषक कृशि एवं पदेन परियोजना निदेषक, आत्मा ने बताया की कार्यक्रम में करीब 100 से अधिक कृषकों द्वारा भाग लिया गया।

मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर ने निगम व बीडीए अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। आगामी मानसून को देखते हुए जिला कलेक्टर निशांत जैन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नगर निगम एवं बीकानेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की बैठक लेकर शहर में जलभराव की संभावित स्थिति से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को मानसून आगमन से पूर्व सभी प्रमुख नालों एवं नालियों की सफाई कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि वर्षा के दौरान शहर में जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने विशेष रूप से उन स्थानों की पहचान कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जहां पूर्व वर्षों में जलभराव की स्थिति बनी रही है। बैठक में जिला कलेक्टर ने नगर निगम एवं बीकानेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए ड्रेनेज सिस्टम की नियमित निगरानी करने तथा आवश्यक मरम्मत एवं सुधार

कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सफाई कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि मानसून से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इससे पूर्व निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलानीचामी व निगम के अधीक्षण अभियंता चिराग गोयल ने शहर के जल भराव वाले प्रमुख स्थानों वल्लभ गार्डन,निगम के सामने,सुजानदेसर, खुदखुदा आश्रम, कोठारी हॉस्पिटल के पास,ढोला मारू के पास, माणक गेस्ट हाउस, किसमीदेसर, गंगाशहर रोड़, चौखूंटी पुलिया,कोटगेट, पुलिस लाइन चौराहा, जयपुर रोड़ पर सोफिया स्कूल के सामने इत्यादि जगहों पर बारिश से पूर्व लघु अवधि में किए जाने वाले व दीर्घकालिक किए जाने वाले कार्यों के बारे में जिला कलेक्टर को विस्तार से जानकारी दी। साथ ही बताया कि शहर के प्रमुख नालों की सफाई के टेंडर हो चुके। नालों की सफाई का कार्य चल रहा है।

स्वच्छता पखवाड़ा एवं पॉलीथिन मुक्ति जन चेतना अभियान का शुभारंभ

-स्काउट गाइड अग्रदीप बनकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन को जागरुक करें : जिला कलक्टर

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के तत्वावधान में आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा एवं पॉलीथिन मुक्ति जन चेतना अभियान का कपड़े से निर्मित थैलों का विमोचन व वितरण कर शुभारंभ किया। जिला कलक्टर कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सामुदायिक सेवा से जुड़े मृदुल अग्रज दल एवं स्काउट गाइड को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष में पर्यावरण संरक्षण के प्रति विशेष कर पॉलिथीन मुक्ति अभियान के प्रति जन चेतना बेहद आवश्यक है, इस मिशन में स्काउट गाइड अग्रदीप बनकर अपनी अहम भूमिका निभाएं व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता व पॉलीथीन मुक्ति हेतु आमजन को संकल्पित करें। इससे पूर्व सीओ स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने अभियान की जानकारी दी तथा जिला कलक्टर का स्काउट परंपरा अनुसार स्कार्फ पहनाकर

अभिनंदन किया। हेडक्वाटर कमिश्नर प्रमोद श्रृंगी ने बताया कि इस अवसर पर स्काउट गाइड दल से संवाद करते हुए जिला कलक्टर ने संस्था द्वारा संचालित कार्यक्रमों की प्रशंसा की व इस दिशा में आवश्यक सुझाव व दिशा निर्देश प्रदान किए। इस दौरान प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सहायक पर्यावरण अभियंता दिलीप कुमार मीना, सीओ गाइड मधुकुमारी, संगठन के सहायक सचिव डॉ. सर्वेश तिवारी, कोषाध्यक्ष बुद्धि प्रकाश पुंडीर, ट्रेनिंग काउंसलर विश्वजीत जोशी, रजिया खातून सहित मृदुल अग्रज सेवा दल के देवप्रकाश ओझा, हंसराज चौधरी, सुखलाल चौधरी, राजेंद्र शर्मा, सुबोध गर्ग, धीरेंद्र सिंह, महावीर सेन तथा ओमप्रकाश शर्मा ने सहभागिता की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्राकृतिक खेती विषय पर किसान गोष्ठी का आयोजन

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। आत्मा योजना के तहत पंचायत समिति पदमपुर के गांव 7 डीडी में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के तहत प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय खरीफ किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। परियोजना निदेशक (आत्मा) श्रीगंगानगर डॉ. विनोद सिंह गौतम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पेड़ों की कटाई की वजह से वातावरण का तापक्रम लगातार बढ़ रहा है इसलिए प्रत्येक किसान को कम से कम एक पौधा लगाना चाहिए। इन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती के तहत किसानों को बाजार से खेती से संबंधित आदान कम से कम क्रय करना चाहिए, लगभग सभी आदान किसान के आस-पास ही उपलब्ध होते हैं। किसान आर्गेनिक विधि से कीट एवं बीमारियों का प्रबन्धन कर सकता है। उप परियोजना निदेशक (आत्मा) सुदेश कुमार

ने प्राकृतिक खेती व जैविक खेती में जीवामृत, बीजामृत, दशपर्णी, नीमास्त्र का महत्व प्राकृतिक खेती में बताया और आत्मा योजना अन्तर्गत किसान हित के लिए आत्मा द्वारा चलाई गई योजनाएं कृषक प्रशिक्षण, कृषक भ्रमण, कृषक पुरस्कार, किसान मेला इत्यादि में कृषक भाग लेकर नये नवाचार को अपनाकर कृषि उत्पादन में वृद्धि करने व आय बढ़ाने की सलाह दी। कृषि अनुसंधान अधिकारी (पौध व्याधि) एटीसी श्रीकरणपुर दुष्यंत ने खरीफ फसलों में लगने वाले कीटों, रोगों का जैविक विधि से कैसे प्रबन्धन किया जाता है विस्तार से समझाया। इन्होंने ट्राइकोडर्मा, एनपीवी, ट्राइकोग्रामा व लाईट ट्रेप के बारे में विस्तार से समझाया। सहायक कृषि अधिकारी गजसिंहपुर श्योप्रकाश वर्मा द्वारा कृषि विभाग की देय सुविधाओं डिग्गी निर्माण पर अनुदान, कृषि यंत्रों पर अनुदान, कृषि पौध संरक्षण उपकरणों पर अनुदान आदि की विस्तार से जानकारी दी एवं उपस्थित कृषकों से कृषि से संबंधित कार्यक्रमों में अधिक से अधिक रूचि लेकर भागीदारी लेने का आग्रह किया। सेवानिवृत सहायक कृषि अधिकारी सोहन लाल शर्मा ने ड्रिप, एफवाईएम एवं केचुए की खाद, गोमूत्र पर विस्तार से बताया। इनके द्वारा यह बताया गया कि किसान इनका इस्तेमाल करते हैं, तो डीएपी, यूरिया की कम आवश्यकता होगी एवं जमीन की संरचना में भी सुधार होगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि पयवेक्षक श्रीमती गीता, श्रीमती संतोष कुमारी, श्रीमती रोशनी मीणा, रविन्द्र कुमार व श्रीमती आशा वीणा वीडीओ तथा श्रीमती सुलोचना कनिष्ठ उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एसबीआई-आरसेटी में पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता रैली आयोजित

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एसबीआई-आरसेटी में पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर राजस्थान ग्रामीण बैंक के सहायक महाप्रबंधक प्रवीण साहू एवं एसबीआई तिलक नगर शाखा के शाखा प्रबंधक मनोज सैनी ने मौजूद रहे। साहू ने आरसेटी का निरीक्षण किया तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों से संवाद किया। बीकानेर आरसेटी द्वारा स्वरोजगार एवं कौशल विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने ऋण संबद्धता (क्रेडिट लिंकेज) के मामलों में पूर्ण सहयोग प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बैंकिंग सहयोग से प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर बल देते हुए प्रतिभागियों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया तथा जागरूकता रैली के माध्यम से आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

आमिर खान गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से कर सकते हैं तीसरी शादी

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान और उनकी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों इस साल 5 जुलाई को एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी करेंगे। इस शादी में कोई भव्य आयोजन या ग्रैंड रिसेप्शन नहीं रखा जाएगा। दोनों एक छोटे से साइनिंग सेरेमनी के जरिए अपने रिश्ते को ऑफिशियल करेंगे। आमिर खान ने साल 2025 में अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी के साथ अपने रिलेशनशिप की बात मीडिया के सामने कन्फर्म की थी। आमिर खान की यह तीसरी शादी होगी। आमिर ने पहली शादी साल 1986 में फिल्म प्रोड्यूसर रीना दत्ता से की थी। साल 2002 में रीना से अलग होने के बाद आमिर ने साल 2005 में डायरेक्टर किरण राव से दूसरी शादी की थी। साल 2021 में किरण और आमिर का तलाक हो गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आमिर और गौरी पिछले एक साल से भी ज्यादा समय से लिव-इन पार्टनर के तौर पर साथ रह रहे हैं। सोर्सेज के अनुसार दोनों एक साथ एक खुशहाल और स्टेबल जिंदगी बिता रहे हैं। अब दोनों ने अपने परिवार के लोगों की मौजूदगी में इस रिश्ते को कानूनी तौर पर आगे बढ़ाने का फैसला किया है। कपल की शादी बेहद निजी होगी जिसमें सिर्फ दोनों के परिवार के लोग और बेहद करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। गौरी स्प्रैट बेंगलुरु की रहने वाली एक सैलून आंत्रप्रेन्योर और फैशन प्रोफेशनल हैं। वे एक मिश्रित संस्कृति वाले परिवार से आती हैं, जिसमें उनके पिता तमिल-ब्रिटिश मूल के और मां पंजाबी-आयरिश मूल की हैं। गौरी 1920 के दशक में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ब्रिटिश कम्युनिस्ट फिलिप स्प्रैट की पोती हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ द आर्ट्स लंदन से फैशन और स्टाइलिंग की पढ़ाई की है। वर्तमान में वे मुंबई में 'बीब्लंट' सैलून चलाती हैं और इससे पहले बेंगलुरु में भी सैलून चेन से जुड़ी रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ भी काम कर रही हैं। आमिर खान की तरह गौरी भी पहले शादीशुदा रही हैं और उनका एक 7 साल का बच्चा है। दोनों पिछले दो साल से ज्यादा समय से मुंबई में साथ रह रहे हैं। आमिर खान और गौरी स्प्रैट एक-दूसरे को पिछले 25 सालों से जानते हैं। दोनों पहले काफी अच्छे दोस्त थे, जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। जब से आमिर और गौरी ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया है, तब से गौरी को अक्सर आमिर खान के साथ अलग-अलग इवेंट्स और मौकों पर साथ देखा जाता है।

भूमि पेडनेकर

ने किया 'पिंक ई-रिक्शा' पहल का समर्थन, कहा- इससे महिलाओं की जिंदगी में आएगा बदलाव

मुंबई में 'ड्राइव हर फ्यूचर' नाम से एक पहल की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य महिलाओं को रोजगार देना, उन्हें आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। इस अभियान के तहत शुरू की गई पिंक ई-रिक्शा पहल को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपना खुलकर समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को कमाने और अपने पैरों पर खड़े होने का मौका मिलता है, तो न सिर्फ उनका जीवन बदलता है, बल्कि पूरे समाज और देश की प्रगति भी तेज हो जाती है। मुंबई में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम के दौरान भूमि पेडनेकर ने इस पहल की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, ''यह पहल पर्यावरण, महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण - इन तीनों मुद्दों को एक साथ जोड़ती है। अक्सर लोग महिला सशक्तिकरण की बातें तो करते हैं, लेकिन बहुत कम ऐसे कदम देखने को मिलते हैं जो वास्तव में महिलाओं की जिंदगी में बदलाव लाएं। यह एक ऐसा काम है जो महिलाओं को सीधे तौर पर फायदा पहुंचाएगा।'' भूमि पेडनेकर ने कहा, ''इस कदम के तहत महिला चालकों को ई-रिक्शा दिए जाएंगे, जिससे वे खुद रोजगार कमा सकेंगी। आर्थिक स्वतंत्रता किसी भी महिला को मजबूत बनाने का सबसे बड़ा माध्यम है। जब किसी महिला के पास अपनी आय का स्रोत होता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह अपने फैसले खुद लेने में सक्षम बनती है। अगर देश की महिलाएं सक्षम और आत्मनिर्भर होंगी, तो देश की विकास गति भी तेज होगी और समाज में सुरक्षा का माहौल भी बेहतर बनेगा।''अभिनेत्री ने आगे कहा, ''इस पहल की सबसे खास बात यह है कि यह केवल महिलाओं के लिए अवसर पैदा नहीं कर रही, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रही है। मुंबई में शुरुआत के तौर पर एक हजार पिंक ई-रिक्शा लॉन्च किए जा रहे हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में कुल 12 हजार ई-रिक्शा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। भविष्य में इस योजना को अन्य राज्यों तक भी पहुंचाया जाएगा, ताकि देशभर की महिलाओं को इसका लाभ मिल सके।''इस कार्यक्रम में भूमि पेडनेकर के साथ अमृता फडणवीस और साहेर भामला भी मौजूद रहे। इस अवसर पर अमृता फडणवीस ने भी इस पहल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के सामने पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। ऐसे समय में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना बेहद जरूरी हो गया है। पिंक ई-रिक्शा योजना महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता तो देती ही है, साथ ही पर्यावरण को सुरक्षित रखने में भी मदद करती है। जब एक महिला ई-रिक्शा चलाकर अपनी आजीविका कमाती है, तो वह समाज और पर्यावरण दोनों के लिए सकारात्मक योगदान देती है। गौरतलब है कि भामला फाउंडेशन द्वारा शुरू की गई 'ड्राइव हर फ्यूचर' मुहिम का उद्देश्य एक हजार महिलाओं को ई-रिक्शा उपलब्ध कराना है। इस पहल के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के नए अवसर प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

ललित मोदी ने अपनी बॉयोपिक को लेकर किया बड़ा खुलासा

मेरा रोल करना चाहते थे रणवीर सिंह

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्मों को लेकर एक के बाद एक अपडेट सामने आ रहे हैं। अभी कुछ दिनों पहले खबर सामने आई थी रणवीर सिंह ने फिल्म प्रलय को लेकर काम शुरू कर दिया है। अब इन सब के बीच रणवीर सिंह से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने अभी हाल रही में एक इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू के दौरान ललित मोदी ने एक बड़ा खुलासा किया है। ललित मोदी ने क्या बयान दिया है। एक्टर रणवीर सिंह एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। इसकी वजह ललित मोदी का अभी हाल ही में दिया एक इंटरव्यू है। जिसमें जब ललित मोदी से पूछा गया कि उनकी बायोपिक बने तो वो किसे अपना किरदार निभाते देखना चाहेंगे, तो उन्होंने रणवीर सिंह का नाम लिया। ललित मोदी ने कहा, 'रणवीर मेरा रोल करना चाहते थे। वो मुझसे मिलने भी आए थे। मैं चाहूंगा कि वही मेरा किरदार निभाएं।' उन्होंने बताया कि वो पहले सिर्फ दीपिका पादुकोण को जानते थे और रणवीर से कभी नहीं मिले थे। फिर एक दिन उन्हें किसी का फोन आया, जिसने कहा कि रणवीर उनसे मिलना चाहते हैं। इसके बाद दोनों की लंदन में मुलाकात हुई। ललित मोदी के मुताबिक, उस मुलाकात में रणवीर ने कहा था कि वह आईपीएल कमिश्नर के तौर पर उनका किरदार निभाना चाहेंगे।

पॉडकास्ट टिप्पणी विवाद

बीएन शर्मा ने स्वीकार की गलती, वाल्मीकि समाज से मांगी क्षमा

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता और कमीडियन बीएन. शर्मा ने हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान हुई विवादित टिप्पणी को लेकर वाल्मीकि समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। वह अपने परिवार और साथियों के साथ अमृतसर स्थित वाल्मीकि तीर्थ स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने माथा टेककर अपनी गलती स्वीकार की और समाज से क्षमा मांगी। दरअसल, कुछ दिनों पहले एक पॉडकास्ट में भगवान वाल्मीकि के सम्मान से जुड़े कथित बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। इस टिप्पणी के बाद वाल्मीकि समाज के लोगों ने नाराजगी जताई थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए वाल्मीकि तीर्थ एक्शन कमेटी ने अमृतसर के पुलिस कमिश्नर को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। विवाद बढ़ने के बाद बी.एन. शर्मा ने समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात करने और अपनी बात स्पष्ट करने का फैसला किया। वाल्मीकि तीर्थ पहुंचकर उन्होंने कहा, 'पॉडकास्ट के दौरान मुझसे अनजाने में ऐसी बात निकल गई, जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। उनका किसी भी धर्म, समाज या महापुरुष का अपमान करने का कोई इरादा नहीं था। ' बी.एन. शर्मा ने कहा कि एक कलाकार होने के नाते उनका उद्देश्य हमेशा लोगों का मनोरंजन करना और समाज को सकारात्मक संदेश देना रहा है। यदि उनकी किसी बात से किसी को ठेस पहुंची है तो वह इसके लिए दिल से माफी मांगते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनका पूरा परिवार इस अवसर पर उनके साथ मौजूद है और सभी की ओर से वाल्मीकि समाज से माफी मांगते हैं।

प्रदूषण नहीं रुका तो खो जाएगी दुनिया की खूबसूरती

शुभांगी अत्रे ने जाहिर की चिंता

टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने पर्यावरण को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने एक न्यूज एजेंसी को दिये गये इंटरव्यू में उन्होंने पर्यावरण से जुड़े कई अहम मुद्दों पर खुलकर बात की और कहा कि अगर इंसानों ने अब भी अपनी आदतों में बदलाव नहीं किया, तो आने वाले समय में प्रकृति का संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। शुभांगी अत्रे ने कहा, ''आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि इंसान प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहना भूल गया है। पहले लोग प्रकृति का उपयोग अपनी जरूरतों के अनुसार करते थे, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। अब प्राकृतिक संसाधनों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसका असर धरती के हर हिस्से पर दिखाई देने लगा है।'' शुभांगी ने कहा, ''इंसान अब सिर्फ संसाधनों का उपयोग नहीं कर रहा, बल्कि उन्हें तेजी से खत्म भी कर रहा है। जंगल लगातार कम होते जा रहे हैं, जिसके कारण जानवरों का प्राकृतिक आवास छिन रहा है। कई प्रजातियां संकट में हैं और मौसम का चक्र भी पहले जैसा नहीं रहा। कभी अत्यधिक गर्मी पड़ती है तो कभी अचानक भारी बारिश हो जाती है। यह सब प्रकृति के असंतुलन का संकेत है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।''अभिनेत्री ने प्लास्टिक प्रदूषण को भी एक गंभीर खतरा बताया। उन्होंने कहा, ''प्लास्टिक ऐसा जहर है जो धीरे-धीरे पूरी प्रकृति को नुकसान पहुंचा रहा है। प्लास्टिक धरती और जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहा है और इसका सबसे ज्यादा नुकसान उन जीव-जंतुओं को होता है, जो यह समझ ही नहीं पाते कि यह उनके लिए कितना खतरनाक है। कई बार जानवर प्लास्टिक को भोजन समझकर खा लेते हैं, जिससे उनकी जान तक चली जाती है। इसे कम करने के लिए लोगों को अपनी रोजमर्रा की आदतों में बदलाव लाना होगा। अगर प्रदूषण नहीं रुका तो दुनिया अपनी प्राकृतिक शांति खो देगी। उन्होंने कहा, ''अगर प्रदूषण इसी तरह बढ़ता रहा तो दुनिया अपनी प्राकृतिक शांति और खूबसूरती खो सकती है। प्रकृति केवल पेड़-पौधों या नदियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इंसानों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से भी जुड़ी हुई है। अगर पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो इंसान भी स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी पाएगा।'' शुभांगी अत्रे ने लोगों से अपील की कि वे अपनी तेज रफ्तार जिंदगी में कुछ समय प्रकृति को समझने और उसके महत्व को महसूस करने के लिए निकालें। हमें प्रकृति का सम्मान करना सीखना होगा। अगर हम धरती, पेड़-पौधों, नदियों और जीव-जंतुओं की रक्षा करेंगे, तो प्रकृति भी हमें सुरक्षित और संतुलित जीवन देती रहेगी।

प्रीति जिंटा को नए प्रोजेक्ट का 'बेसब्री से इंतजार'

अभिनेत्री प्रीति जिंटा लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। उन्होंने एक सोशल मीडिया के जरिए बताया कि इस प्रोजेक्ट को सभी के साथ शेयर करने का वे बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि उन्हें नए प्रोजेक्ट की शुरुआत से पहले थोड़ा आराम कर रही हूं। मैं आप सभी के साथ इस नए प्रोजेक्ट को शेयर करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। बहुत जल्द इसकी जानकारी दूंगी।' अभिनेत्री प्रीति जिंटा जल्द ही फिल्म 'वाइब' और 'लाहौर 1947' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। 'वाइब' एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है जिसमें वह कुणाल खेमू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म दो सच्चे दोस्तों की कहानी है, जिसमें एक सीधा-सादा और नियमों का पालन करने वाला है, जबकि दूसरा लापरवाह है। दोनों की साधारण जिंदगी में तब तूफान आ जाता है, जब वे अनजाने में एक आतंकवादी साजिश में फंस जाते हैं और देश की सुरक्षा का दारोमदार उनके हाथों में आ जाता है। फिल्म का लेखन और निर्देशन कुणाल खेमू ने किया है। इसे 'द्रोंगो फिल्म्स' के बैनर तले कुणाल खेमू और चिराग निहलानी द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। यह फिल्म 2018 की फिल्म 'भैयाजी सुपरहिट' के बाद बड़े पर्दे पर प्रीति जिंटा की शानदार वापसी का प्रतीक है।

(साभार एजेंसी)

राहुल-हेड ओपनर

गिल समेत 4 भारतीय शामिल

संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए वर्ल्ड प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल का रोमांच अब खत्म हो चुका है। 6 जून से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। अब दुनिया में टेस्ट क्रिकेट का रोमांच शुरू होने वाला है। उससे पहले भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ ने टेस्ट के लिए वर्ल्ड 11 का चुनाव किया है। उन्होंने अपनी टीम में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत चार भारत के खिलाड़ियों को चुना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा खिलाड़ी- भारत और ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 4-4 खिलाड़ियों को संजय बांगड़ ने अपनी वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी है। केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह के रूप में चार भारतीय इस टीम का हिस्सा बने हैं। जबकि कंगारू टीम के चार खिलाड़ी, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस (कप्तान) और मिचेल स्टार्क इस टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड के दो खिलाड़ी बेन स्टोक्स और जो रूट भी इस टीम का हिस्सा हैं।

टेस्ट के लिए बांगड़ की वर्ल्ड प्लेइंग 11

केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, केशव महाराज।

वैभव होंगे एक्शन में, तिलक की कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया 'ए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तूफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एक्शन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रेज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण- वैभव सूर्यवंशी का क्रेज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रैटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

जॉन सीना के जानी दुश्मन से ब्रे वायट तक

WWE के 5 रेसलर जिनकी कम उम्र में हुई मौत,एक ने पत्नी और बच्चे का भी किया था कत्ल

नई दिल्ली। एक ऐसा फाइटिंग शो है जिसे भारत में भी खूब पसंद किया जाता है। इसके अलग-अलग कई इवेंट और आयोजन भारत में सुर्खियां बटोरते हैं।

हाल ही में क्लैन इन इटली ने काफी सुर्खियां बटोरीं। अगर इसके इतिहास के ऐसे पांच स्टार रेसलर्स की बात करें जिनका बेहद कम उम्र में ही अचानक निधन हो गया। इसमें हालिया नाम ब्रे वायट का भी है जिनकी मौत से कंपनी को काफी सदमा भी लगा था।

- **उमागा (1973-2009)-** एडवर्ड फाटू जिन्हें उमागा (Umaga) के नाम से भी WWE में जाना जाता था, वह 2006-07 में जॉन सीना के साथ राइवलरी के चलते काफी मशहूर हुए थे। समोआ के इस रेसलर ने कंपनी में खूब नाम कमाया। 4 दिसंबर 2004 को अचानक उनकी मौत की जानकारी सामने आई। महज 36 साल की उम्र में उमागा का हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया। उन्हें पेन किलर्स और हड्डियों को आराम देने वाली दवाओं के साथ मृत पाया गया था। उनके निधन का कारण भी ऐसी दवाइयों के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण ही होने की खबरें आई थीं। उनका कम उम्र में निधन अन्य साथी रेसलर्स के लिए भी एक संदेश था।
- **एडी गुरेरो (1967-2005)-** एडी गुरेरो कंपनी के एक पॉपुलर रेसलर्स में से एक थे। उन्हें उनकी पर्सनैलिटी और बेहतरीन रेसलिंग स्किल के लिए जाना जाता था। वह क्राउंड का मनोरंजन करने के लिए मशहूर थे और उनके बीच काफी पॉपुलर भी थे। री मिस्टीरियो से उनकी अच्छी दोस्ती थी। उनका निधन 13 नवंबर 2005 को हुआ था। वह अपने होटल रूम में मृत पाए गए थे। उनका निधन भी हार्ट फेल होने के कारण बताया गया था। महज 38 साल की उम्र में WWE ने अपना एक बेहतरीन सितारा खो दिया था।
- **ओवेन हार्ट (1965-1999)-** 23 मई 1999 को 20वीं सदी के अंतिम दौर के स्टार रेसलर ओवेन हार्ट के निधन को सुनकर कंपनी में शोक की लहर दौड़ गई थी। वह उस वक्त के उभरते हुए सितारे थे। उनकी मौत एक खतरनाक स्टंट करते हुए हो गई थी। उनका निधन किसी बीमारी के चलते नहीं हुआ था। वह एक स्टंट कर रहे थे और तकनीकी खराबी के कारण वह उंचाई से नीचे गिर गए थे और उनके इतनी चोट लगी कि वह दोबारा उठ नहीं सके। उनका महज 34 साल की उम्र में दुखद निधन हो गया था।
- **क्रिस बेनोइट (1967-2007)-** WWE में 21वीं सदी के शुरुआती दशक में कई बड़े-बड़े रेसलर पॉपुलर थे। जॉन सीना, बटिस्टा, ब्रॉक लैसनर, कर्ट एंगल, री मिस्टीरियो, द रॉक के साथ एक नाम था क्रिस बेनोइट का। वह कंपनी के एक बेहतरीन फाइटर थे। जून 2007 में उन्होंने सभी को तब चौंका दिया जब पहले उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चे को मारा।

5- ब्रे वायट (1987-2023)

WWE ने हाल ही में एक शानदार रेसलर को खोया था। उनके निधन के बाद पूरी कंपनी शोक में डूब गई थी। अगस्त 2023 में ब्रे वायट के निधन की खबर ने सभी को हिला दिया था। वह एक बेहतरीन फाइटर के साथ-साथ कंपनी के लिए रिंग में शानदार स्टोरी सुनाने के लिए भी मशहूर थे। उनकी यूनिक पर्सनैलिटी भी काफी पॉपुलर थी। वह अचानक एक दिन सोते-सोते मृत पाए गए थे। उनके निधन का कारण भी हार्ट अटैक था। उनके रूप में WWE ने महज 36 साल की उम्र का एक बेहतरीन रेसलर खो दिया था।

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए इन खिलाड़ियों को भारतीय टी20 टीम में मिल सकती है जगह

वैभव को मौका, श्रेयस कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है। टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ जून में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। अब शनिवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में बैठक करेगी और आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे साथ ही सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जा सकता है जबकि तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान हो सकते हैं। चुकी सूर्यकुमार यादव की अब टी20 टीम से भी छुट्टी हो चुकी है ऐसे में टीम में मध्यक्रम में एक जगह खाली हो जाएगी जिससे श्रेयस अय्यर का रास्ता साफ हो जाएगा।

वैभव को मिल सकती है भारतीय टी20 टीम में जगह

उम्मीद ये की जा रही है कि साल 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं ऐसे में वो टीम में नहीं होंगे वहीं प्रिंस यादव को टीम में जगह दी सकती है। इस बात की भी संभावना है कि प्रसिद्ध कृष्णा की टीम में वापसी हो जाए। हार्दिक पांड्या की जगह भी खतरे में पड़ सकती है क्योंकि वह फिटनेस से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इससे नीतीश कुमार रेड्डी के लिए जगह बन सकती है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने प्रदर्शन के जरिए भारतीय टी20 टीम का दरवाजा खटखटा दिया है और इस दौरे के लिए माना जा रहा है कि उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है।

विराट कोहली भारतीय टीम से हुए बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे 3 मैचों की वनडे सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बैटर विराट कोहली हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। यानी अब वो अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 जून से होगी और इसके बाद दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस वनडे सीरीज की

शुरुआत 13 जून से होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 20 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 17 जून को होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे विराट कोहली- टीवी टूडे नेटवर्क के मुताबिक विराट के वनडे टीम से बाहर होने के बाद उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान अब तक नहीं किया गया है। विराट कोहली अभी शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने आईपीएल 2026 में अपनी टीम आरसीबी के लिए खेले 16 मैचों में कुल 675 रन बनाए थे जिसमें फाइनल में खेली गई नाबाद 75 रन की पारी भी मौजूद है।

भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो जाएगा और रोमांचक

- **फीफा ने लिया बड़ा फैसला,हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक**

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट को दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे। इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक जैसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बास्केटबॉलर और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

विश्व विजेता कप्तान का ऐसा अंजाम

सूर्यकुमार यादव की T-20 से छुट्टी क्यों?

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जिताया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पल्टी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट हैं जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।

सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सक्सेस रेट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रैना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिखर धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हार्दिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

वैभव होंगे एक्शन में, तिलक की कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया ए

- **इस तरह देख सकते हैं भारत में ट्राई सीरीज का लाइव प्रसारण**

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तूफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एक्शन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रेज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण - वैभव सूर्यवंशी का क्रेज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रैटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। इस सीरीज में भारत, अफगानिस्तान और मेजबान श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेंगी।

इंडिया ए टीम की कप्तानी तिलक वर्मा कर रहे हैं, लेकिन इस टीम में 15 साल के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की मौजूदगी ने इस ट्राई-सीरीज का रुतबा और भी बढ़ा दिया है। वैभव ने हाल ही में खत्म हुए आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल किया था और सबको चौंका दिया था। वैभव अब हर किसी के फेवरेट हैं अब उनकी इसी लोकप्रियता ने ब्रॉडकास्टर को इस सीरीज के बारे में नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है।

9 से 21 जून तक होने वाली ट्राई-सीरीज का टेलीकास्ट सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा जबकि इसकी लाइव स्ट्रीमिंग Sony LIV पर किया जाएगा।

रूबियो से मुलाकात में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कोई जानकारी साझा नहीं की गई : पाकिस्तान

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को उन खबरों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया कि उप प्रधानमंत्री इशहाक डार ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ वाशिंगटन में अपनी हालिया मुलाकात के दौरान ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बारे में कोई जानकारी साझा की थी। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी से उन खबरों के बारे में पूछा गया कि डार ने 29 मई को अपनी बैठक के दौरान रूबियो के साथ ईरान की परमाणु संबंधी जानकारी साझा की थी। डार विदेश मंत्री भी हैं। अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान उप प्रधानमंत्री द्वारा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बारे में किसी भी तरह की जानकारी का आदान-प्रदान करने की खबरों को खारिज करता है। उन्होंने कहा, ऐसी कोई जानकारी साझा नहीं की गई।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व विश्लेषक लैरी जॉनसन ने एक अज्ञात सूत्र के हवाले से दावा किया कि डार और रूबियो के बीच हुई बातचीत में ईरान अपनी स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाने को तैयार है, इसका खुलासा हुआ। वाशिंगटन की अपनी संक्षिप्त यात्रा के दौरान डार की रूबियो से मुलाकात नई दिल्ली में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक के कुछ दिनों बाद हुई। बैठक के बाद रूबियो ने कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि दोनों देशों की बेहतर सुरक्षा और अधिक समृद्धि के लिए सार्थक साझेदारी को और मजबूत करने के संबंध में मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, सुरक्षा और आतंकवाद रोधी सहयोग सहित आपसी हित के सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई।

हिजबुल्ला प्रमुख ने इजराइल-लेबनान युद्धविराम समझौते को खारिज किया

बेरूत, भाषा। ईरान समर्थित चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला के प्रमुख नईम कासिम ने इजराइल और लेबनान सरकार के बीच हुए नवीनतम युद्धविराम समझौते को खारिज करते हुए इजराइली सेना की पूर्ण वापसी की मांग की है। कासिम ने बृहस्पतिवार को हिजबुल्ला के टेलीविजन चैनल अल-मनार पर प्रसारित एक लिखित बयान में कहा कि समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान से हिजबुल्ला लड़ाकों को हमलों के बीच हटाने की मांग का अर्थ आत्मसमर्पण, पराजय और दुश्मन के उद्देश्यों की पूर्ति होगा। उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिक चिंता आक्रामकता का अंत, युद्धविराम और इजराइल का पीछे हटना है। कासिम ने कहा, जब तक कब्जा जारी रहेगा, तब तक प्रतिरोध बंद करने की हमने किसी भी पक्ष से कोई प्रतिबद्धता नहीं की है। इससे पहले, इजराइल और लेबनान ने अपने युद्धविराम को आगे बढ़ाने तथा लेबनान के भीतर प्रायोगिक तौर पर कुछ ऐसे सुरक्षा क्षेत्र बनाने पर सहमति जताई थी जहां हिजबुल्ला के लड़ाकों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। अमेरिका की मध्यस्थता में विदेश मंत्रालय में हुई चौथे दौर की वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों पक्षों ने कहा कि यह युद्धविराम तभी प्रभावी रहेगा जब हिजबुल्ला पूरी तरह हमले बंद करे और लितानी नदी के दक्षिण के इलाकों से अपने सभी लड़ाकों को हटा ले।

कुवैत हवाई अड्डे पर हमले में भारतीय की मौत के बाद राजदूत ने अस्पतालों और शवगृह का दौरा किया

» दुबई, भाषा।

कुवैत में भारत की राजदूत परमिता त्रिपाठी ने उस शवगृह का दौरा किया, जहां कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में मारे गए भारतीय नागरिक का शव रखा गया है। साथ ही उन्होंने अस्पतालों में उपचाराधीन घायल भारतीयों से भी मुलाकात की। भारतीय दूतावास स्वदेश वापसी और सहायता संबंधी प्रयासों में समन्वय कर रहा है। ईरान और अमेरिका में बढ़ती शत्रुता के बीच बुधवार को कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि परमिता त्रिपाठी ने कुवैत के केंद्रीय शवगृह का दौरा किया, जहां भारतीय नागरिक का शव रखा गया है।

राजदूत ने अपराध साक्ष्य विभाग के महाप्रबंधक ब्रिगेडियर अब्दुलरहीम अल-अवधी से भी मुलाकात की और कुवैती अधिकारियों द्वारा दी गई त्वरित और संवेदनशील सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। दूतावास ने कहा, हम मृत भारतीय नागरिक के परिवार के संपर्क में हैं और शव को शीघ्र भारत भेजने के लिए कुवैती अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। दूतावास के अनुसार, त्रिपाठी ने हमले में घायल भारतीय नागरिकों से भी विभिन्न अस्पतालों में जाकर मुलाकात की। दूतावास ने कहा, उन्होंने घायलों से बातचीत की और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। साथ ही दूतावास द्वारा अस्पतालों और उनके परिवारों के साथ लगातार संपर्क और निगरानी बनाए रखने की बात कही। एक बयान में कुवैत सेना ने कहा कि ईरानी हमलों में एक भारतीय प्रवासी की मौत हुई और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। इस ताजा घटना के बाद 28 फरवरी को ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद क्षेत्रीय हिंसा में जान गंवाने वाले भारतीयों की संख्या बढ़कर कम से कम दस हो गई है।

चीनः तियानानमेन सैन्य कार्रवाई में मारे गए लोगों के परिजनों को कब्रों पर न जाने की चेतावनी

बीजिंग, भाषा। चीन का प्रशासन 1989 में तियानानमेन स्क्वायर पर विद्यार्थियों के नेतृत्व में हुए लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई की यादों को मिटाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। इस वर्ष प्रशासन ने इस घटना के पीड़ितों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसी पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी यह घटना बृहस्पतिवार को आज के ही दिन 37 साल पहले घटी थी। यह जनमानस से इस घटना को पूरी तरह मिटाने के लिए वर्षों से जारी अभियान का एक और कड़ा कदम है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पुलिस ने इस कार्रवाई में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसी पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, इस घटना में मारे गए लोगों के परिजन पिछले 30 सालों के दौरान पुलिस की निगरानी में कब्रिस्तान में जाकर श्रद्धांजलि देते रहे हैं। ये परिजन, थ्एनआनमन मदर्स नाम के एक समूह से जुड़े हैं। चीनी सेना ने वर्ष 1989 में थ्एनआनमन चौक पर प्रदर्शनकारियों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश करने वाली भीड़ को कुचलते हुए हजारों लोगों को मार गिराया था। तियानानमेन चौक

चीन की राजधानी के मध्य स्थित एक विशाल चौक है। कम्युनिस्ट पार्टी नेतृत्व द्वारा सेना भेजने का निर्णय चीन के आधुनिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था जिसने यह निर्धारित किया कि देश को विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदलने वाले बाजार सुधार में राजनीतिक उदारीकरण के लिए कोई स्थान नहीं होगा। पुलिस ने हांगकांग में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बढ़ा दी ताकि पार्क या उसके आसपास किसी भी प्रकार का कार्यक्रम न हो सके। वर्ष 2019 में यहां बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद प्रतिबंध लगने तक हर साल बरसी पर एक विशाल मोमबत्ती जुलूस निकाला जाता था।

न्यूज ब्रीफ

ग्रोक की नकली बिकिनी तस्वीरों को लेकर मस्क की कंपनी पर मुकदमा कर रही हैं ब्रिटिश सांसद

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन के एक सांसद ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह एलन मस्क की कंपनी एक्स एआई पर निजता में दखल देने का मुकदमा दर्ज करा रही हैं। उनका आरोप है कि ग्रोक चैटबॉट का इस्तेमाल करके उनकी नकली तस्वीरें बनाई गईं। सत्तारूढ़ लेबर पार्टी की सांसद जेस असाटो का कहना है कि जनवरी में जब उन्होंने ऑनलाइन डीपफेक पोर्नोग्राफी के फैलने की आलोचना की थी, तो किसी ने उनकी सहमति के बिना ग्रोक का इस्तेमाल करके बिकिनी में उनकी नकली तस्वीरें बनाईं।

उन्होंने बुधवार को लंदन के उच्च न्यायालय में डेटा संरक्षण कानून के तहत निजी जानकारी के गलत इस्तेमाल का हवाला देते हुए मुकदमा दायर किया। वह हर्जाना मांग रही हैं और उनका कहना है कि वह एक मिसाल कायम करना चाहती हैं कि कंपनियों को उनकी एआई प्रणाली के डिजाइन के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सके। उन्होंने कहा, कोई भी सड़क पर मेरे पास आकर मुझे निर्वस्त्र नहीं कर सकता और मुझे बिकिनी नहीं पहना सकता। मुझे समझ नहीं आता कि कोई मेरे साथ ऑनलाइन ऐसा क्यों कर सकता है ? सांसद ने कहा, ऐसा लगता है जैसे किसी ने मेरी सहमति के बिना मुझे डिजिटली निर्वस्त्र कर दिया हो। एक्स एआई ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया के अनुरोध पर तत्काल जवाब नहीं दिया।

कनाडा और यूएई ने दिल्ली अग्निकांड पर दुख जताया

» टोरंटो, भाषा।

कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने नई दिल्ली में आग लगने की घटना पर दुख जताया है, जिसमें 12 विदेशियों समेत कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। बुधवार को दक्षिण दिल्ली की एक इमारत में भीषण आग लग गई, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। इनमें से ज्यादातर विदेशी थे जो या तो खुद के इलाज या अपने मरीज़ों के साथ आए थे। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने बृहस्पतिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नई दिल्ली के मालवीय नगर में आग की घटना से बहुत दुख हुआ, जिसमें कम से कम 21 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए।

आनंद ने कहा, कनाडा इस मुश्किल समय में भारत के साथ खड़ा है, और मैं प्रभावित लोगों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। उन्होंने कहा कि वह कनाडा की तरफ से एकजुटता दिखाने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर के संपर्क में हैं। यूएई के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को इस हादसे पर मृतकों के परिवारों और भारत सरकार तथा लोगों के प्रति अपनी संवेदना और सहानुभूति जताई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने नई दिल्ली के मालवीय नगर में एक होटल में आग लगने के बाद भारत के साथ अपनी एकजुटता दिखाई है, जिसमें कई लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए हैं।

श्रीलंका नौसेना ने भारतीय पोत आईएनएस ऐरावत का स्वागत किया

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका नौसेना ने बृहस्पतिवार को बताया कि भारतीय नौसेना के जहाज ऐरावत का कोलंबो बंदरगाह पर पारंपरिक स्वागत किया गया। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने बताया कि आईएनएस ऐरावत भारत सरकार के अनुदान से भारतीय तटरक्षक बल की ओर से श्रीलंका तटरक्षक बल के जहाज सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कलपुर्जे लेकर आया है। उच्चायोग ने बताया, भारतीय नौसेना के जहाजों का श्रीलंका दौरा दोनों मित्र नौसेनाओं के बीच मजबूत संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया है, जो भारत की पड़ोसी पहले नीति और प्रधानमंत्री के महासागर विजन के अनुरूप है।

भारतीय नौसेना की प्रमुख पहल महासागर का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र और अफ्रीकी देशों की समुद्री सेनाओं के बीच उच्च स्तरीय आभासी संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना है। ऐरावत सोमवार को कोलंबो बंदरगाह पर पहुंचा था। जहाज के कमांडिंग ऑफिसर, कमांडर आईपी पाटिल ने पश्चिमी नौसेना क्षेत्र के श्रीलंका नौसेना कमांडर से मुलाकात की और द्वीप राष्ट्र की नौसेना के साथ पेशेवर व खेल संबंधी बातचीत में भाग लिया।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने सात छात्रों का अपहरण किया

» अबुजा (नाइजीरिया), भाषा।

उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने एक स्कूल परिसर के बाहर स्थित एक मकान पर धावा बोलकर सात छात्रों को अगवा कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता याज़िद अबूबकर ने एक बयान में बताया कि यह घटना बुधवार तड़के संघर्ष-ग्रस्त जमफारा राज्य के कौरा नमोदा इलाके में हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि छात्रों को कहां ले जाया गया है, लेकिन अन्य बचे छह छात्रों को सुरक्षित बचाने के प्रयास जारी हैं।

जमफारा उन हथियारबंद गिरोहों का गढ़ रहा है जो फिरौती के लिए अपहरण की घटनाओं को अंजाम देते हैं। हाल के वर्षों में पूरे देश में छात्रों के अपहरण की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। स्थानीय समाचार आउटलेट प्रीमियम टाइम्स की एक गणना के अनुसार, बोर्नो राज्य के चिबोक से वर्ष 2014 में 200 से अधिक स्कूली छात्राओं के सामूहिक अपहरण के बाद से अब तक 20 स्कूलों से कम से कम 1,900 छात्रों का अपहरण किया जा चुका है।

चीन ने ताइवान का दौरा करने पर न्यूजीलैंड के चार सांसदों पर प्रतिबंध लगाया

वेलिंगटन, भाषा। बीजिंग ने न्यूजीलैंड के चार सांसदों पर एक साल के लिए चीन यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है, और उनसे माफी मांगने की मांग की क्योंकि उन्होंने एक संसदीय यात्रा के दौरान ताइवान का दौरा किया था। चीनी दूतावास ने इस संबंध में बृहस्पतिवार को न्यूजीलैंड के अधिकारियों को सूचित किया है। न्यूजीलैंड सरकार ने कहा कि चीन ने ताइवान के साथ संपर्क के कारण पूर्व में अन्य देशों के सांसदों पर प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के सांसदों के साथ ऐसा पहली बार हो रहा है। हाल के वर्षों में बीजिंग लोकतांत्रिक रूप से शासित द्वीप पर दबाव बढ़ा रहा है, जिसे वह अपना क्षेत्र होने का दावा करता है। बृहस्पतिवार को एसोसिएटेड प्रेस द्वारा संपर्क किए जाने पर दो सांसदों ने माफी की मांग को खारिज कर दिया, जबकि अन्य दो से तुरंत संपर्क नहीं हो सका। न्यूजीलैंड सरकार ने कहा कि वह बीजिंग यात्रा प्रतिबंधों पर चिंता व्यक्त करेगी। विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने मई में ताइपे का दौरा किया था।

पाकिस्तान बना रहा नई आंतरिक सुरक्षा नीति आतंकवाद के वित्तपोषण रोकने पर जोर

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान एक नई आंतरिक सुरक्षा नीति पर काम कर रहा है, जिसका मकसद आपराधिक डेटाबेस को एकीकृत करके और प्रांतों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था सुधारकर आतंकवाद के वित्तपोषण पर लगाम लगाना है। प्रस्तावित राष्ट्रीय आंतरिक सुरक्षा नीति 2026-30 पर इसी महीने नेशनल पुलिस मैनेजमेंट बोर्ड (एनपीएमबी) की एक असाधारण बैठक में चर्चा होगी और इसमें सभी प्रांतीय पुलिस प्रमुखों की सिफारिशें शामिल की जाएंगी। डॉन अखबार की खबर में बृहस्पतिवार को कहा गया कि इसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के पुलिस प्रमुखों के सुझाव भी लिए जाएंगे।

खबर के अनुसार प्रस्तावों में गिलगित-बाल्टिस्तान में काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) की स्थापना, राष्ट्रीय स्तर पर पुलिस डेटा का एकीकरण, अंतर-प्रांतीय खुफिया साझाकरण तंत्र में सुधार और आतंकवाद के वित्तपोषण रोकने के उपाय शामिल हैं। इस नीति में राष्ट्रीय पुलिस ब्यूरो (एनपीबी) के देशव्यापी पुलिस सुधारों और सुरक्षा रणनीतियों में बड़ी भूमिका की परिकल्पना की गई है। ब्यूरो की अध्यक्षता फिलहाल संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के महानिदेशक उस्मान अनवर कर रहे हैं। अनवर ने डॉन से कहा कि विभिन्न असैन्य कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के बीच गंभीर तालमेल की कमी है। उन्होंने पूरे देश में पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी प्रांतों में एक समान पुलिसिंग तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आतंकवाद से लड़ने और आतंकी वित्तपोषण पर लगाम लगाने के लिए प्रांतों में एकसमान तंत्र स्थापित करना और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ सहयोग करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। अनवर ने बताया कि आगामी बैठक में कार्यात्मक विशेषज्ञता, पुलिस कल्याण, अंतरराष्ट्रीय अपराध, आपराधिक डेटा एकीकरण, प्रशिक्षण जरूरतें, महिला पुलिस नेटवर्किंग, अंतर-प्रांतीय खुफिया साझाकरण और गिलगित-बाल्टिस्तान में सीटीडी के विकास पर भी चर्चा होगी। यह प्रस्तावित नीति ऐसे समय में अहमियत रखती है जब पाकिस्तान के कई हिस्सों में आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है और सुरक्षा प्रतिष्ठान आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने की कोशिशों में जुटे हैं।

ऑस्ट्रेलिया की अदालत ने एक व्यक्ति को नॉर्वे की राजकुमारी इंग्रिड से संपर्क करने से रोका

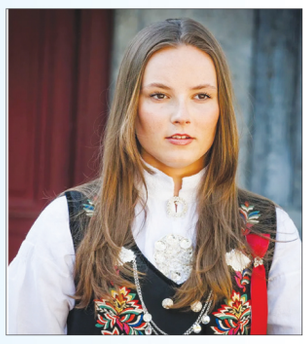

मेलबर्न, भाषा। ऑस्ट्रेलिया की एक अदालत ने 63 वर्षीय एक व्यक्ति पर दो वर्ष तक नॉर्वे की राजकुमारी इंग्रिड अलेक्जेंड्रा और उनके परिवार से किसी भी प्रकार का संपर्क करने पर रोक लगा दी है। राजकुमारी इन दिनों ऑस्ट्रेलिया के एक विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रही हैं। डेविड जेम्स कुक बुधवार को अदालत में पेश हुए, जहां उनके खिलाफ दो वर्ष का एप्रिहेंडेड वायलेंस ऑर्डर जारी किया गया। इस आदेश के तहत वह सिडनी विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश नहीं कर सकते, ऑनलाइन माध्यम से 22 वर्षीय राजकुमारी से संपर्क नहीं कर सकते और न ही उनसे या उनके परिवार के किसी सदस्य से मिल सकते हैं। ऐसे आदेश किसी व्यक्ति को अन्य व्यक्ति के खिलाफ हिंसा, धमकी या उत्पीड़न करने से रोकने के लिए जारी किए जाते हैं। कुक ने सिडनी स्थित न्यूटाउन कोर्ट हाउस से बाहर निकलते समय संवाददाताओं से कहा कि यह आदेश उस कार्ड की वजह से जारी किया गया, जो उन्होंने इंग्रिड को भेजा था। इंग्रिड नॉर्वे के सिंहासन की उत्तराधिकारी हैं। कुक ने नाइन न्यूज से कहा, मैंने उन्हें सिर्फ दोस्ती के लिए एक कार्ड भेजा था। बस इतना ही। मैंने जानबूझकर उन्हें किसी तरह परेशान नहीं किया और न ही कभी करूंगा। वह एक अच्छी इंसान हैं। एक कार्यक्रम में उनसे मुलाकात हुई थी और उसके बाद मैंने कार्ड भेजा। इंग्रिड पिछले वर्ष ऑस्ट्रेलिया आई थीं और तब से सिडनी विश्वविद्यालय परिसर में रह रही हैं। वह यहां अंतरराष्ट्रीय संबंध विषय में तीन वर्षीय पाठ्यक्रम कर रही हैं। नॉर्वे के क्राउन प्रिंस हाकोन और क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट की पुत्री इंग्रिड हाल में ऑस्ट्रेलिया से नॉर्वे लौटी हैं। खबरों के अनुसार वह गंभीर रूप से बीमार अपनी मां को देखने के लिए लौटी हैं।

ईरानी-फ्रांसीसी कार्टूनिस्ट एवं फिल्म निर्माता मरजाने सत्रापी का निधन

पेरिस, भाषा। ईरानी-फ्रांसीसी कार्टूनिस्ट एवं फिल्म निर्माता मरजाने सत्रापी का 56 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि फ्रांसीसी संस्कृति की अग्रणी हस्ती और स्वतंत्रता के प्रति समर्पित कलाकार के निधन से एक खालीपन पैदा हो गया है, जिनके कार्यों में एक सार्वभौमिक संदेश था। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ने असाधारण कलाकार को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने ईरानी बचपन को एक सार्वभौमिक कहानी में बदल दिया। सत्रापी महिला अधिकारों की भी बड़ी पैरोकार थीं।

काठमांडू कलिंग साहित्य महोत्सव में जुटेंगे नेपाल और भारत के सांस्कृतिक, साहित्यिक दिग्गज

काठमांडू, भाषा। नेपाल के ललितपुर जिले में छह और सात जून को काठमांडू कलिंग साहित्य महोत्सव (केएलएफ) के चौथे संस्करण का आयोजन किया जाएगा। इस दो दिवसीय महोत्सव में साहित्य, संस्कृति, सिनेमा, संगीत, कूटनीति और शिक्षा जगत सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां हिस्सा लेंगी। आयोजकों के अनुसार, इस उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि नेपाल की पूर्व प्रधानमंत्री और देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की होंगी। इस वर्ष महोत्सव का मुख्य विषय सरहदों के पार बदलते परिवेश में दक्षिण एशियाई साहित्य रखा गया है। केएलएफ के संस्थापक और निदेशक रश्मि रंजन परिदा ने कहा, यह महोत्सव इस बात पर विचार-विमर्श करेगा कि साहित्य, संस्कृति, कला, आध्यात्मिकता और रचनात्मक सोच किस प्रकार एक अधिक जुड़ाव वाले और संवेदनशील दक्षिण एशिया के निर्माण में मददगार साबित हो सकते हैं। परिदा ने कहा, काठमांडू कलिंग साहित्य महोत्सव वास्तव में साहित्य, संस्कृति, संगीत, कविता और हमारी सभ्यतागत मित्रता का एक उत्सव है। उन्होंने कहा, इस मंच के माध्यम से हम नेपाल, भारत और दक्षिण एशिया के बीच लंबे समय से चले आ रहे साहित्यिक व सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूत करने की उम्मीद करते हैं। साथ ही, इसके जरिए वैश्विक स्तर पर संवाद के नए रास्ते भी खुलेंगे। इस दो दिवसीय आयोजन में गायिका व अभिनेत्री इला अरुण, लेखिका प्रतिभा राय, आध्यात्मिक विचारक आचार्य प्रशांत, प्रख्यात अभिनेता, गीतकार व लेखक पीयूष मिश्रा और प्रसिद्ध लेखक व फिल्म निर्माता राज शेखर सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होंगी। इस महोत्सव के दौरान विभिन्न सत्रों में चर्चा, परिचर्चा, कविता पाठ, संगीत प्रस्तुतियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सभ्यतागत संबंधों पर संवाद आयोजित किए जाएंगे। ओडिशा के भुवनेश्वर में स्थापित कलिंग साहित्य महोत्सव (केएलएफ) भारत के अग्रणी साहित्यिक और सांस्कृतिक महोत्सवों में से एक है।

भारतीय सेना के मेजर ने अमेरिकी सेना के उन्नत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में दो पुरस्कार जीते

वाशिंगटन, भाषा। भारतीय सेना के एक मेजर ने फोर्ट लेवेनवर्थ, कंसास में आयोजित एक प्रतिष्ठित अमेरिकी सेना नेतृत्व कार्यक्रम में दो शैक्षणिक पुरस्कार जीते हैं, जिसमें अमेरिका और सहयोगी देशों के 951 अधिकारी शामिल थे। अमेरिकी सेना के कमांड एंड जनरल स्टाफ कॉलेज के कमांड एंड जनरल स्टाफ ऑफिसर कोर्स (सीजीएसओसी) के दीक्षांत समारोह के दौरान भारत के मेजर प्रभात मिश्रा को उत्कृष्ट मास्टर ऑफ मिलिट्री आर्ट्स एंड साइंस थीसिस के लिए बिरर-ब्रूक्स पुरस्कार और जनरल डगलस मैकआर्थर मिलिट्री लीडरशिप राइटिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार 951 स्नातकों को प्रदान किए गए जिन्होंने 10 महीने का कार्यक्रम पूरा किया। स्नातक होने वालों में 92 देशों के 120 अंतरराष्ट्रीय सैन्य छात्र शामिल थे। अमेरिकी सेना के एक बयान में कहा गया कि इस वर्ष के बैच ने संशोधित और आधुनिक पाठ्यक्रम का अध्ययन किया। अन्य अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों में नॉर्वे के मेजर अलेक्जेंडर ग्रैनबर्ग को जनरल ड्वाइट डी. आइजनहावर पुरस्कार और आर्टर-डॉनिफान पुरस्कार प्राप्त हुआ। कुवैत के लेफ्टिनेंट कर्नल तालेह एस एफ एच एच अलराशिद को मेजर जनरल हंस श्लूप पुरस्कार मिला। फोर्ट लेवेनवर्थ में अंतरराष्ट्रीय सैन्य शिक्षा की शुरुआत 1894 में हुई थी। तब से, लगभग 170 देशों के 8,700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सैन्य छात्रों ने अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ कक्षाओं में भाग लिया है।

नेपाल और भारत के बीच स्थाई और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगा

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल की भारत की तीन दिवसीय यात्रा पांच जून से

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल पांच से सात जून तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर के निमंत्रण पर खनाल शुक्रवार से भारत की यात्रा पर जा रहे हैं। नेपाल सरकार ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। खनाल की भारत यात्रा नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह द्वारा संसद में की गई टिप्पणियों से उपजे विवाद के बीच होगी। बालेंद्र शाह ने 31 मई को कहा था कि भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद पर चर्चा के अलावा, काठमांडू चीन और ब्रिटेन के साथ भी संपर्क में है।

हालांकि, भारत ने नेपाल के साथ अपने सीमा विवाद को सुलझाने में किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को सिरे से खारिज कर दिया है। खनाल की भारत यात्रा की तारीख घोषित करते हुए नेपाली सरकार ने कहा कि वह नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ औपचारिक बैठक करेंगे। नेपाल सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, दोनों पक्ष व्यापार, निवेश, संपर्क, ऊर्जा और जन-संबंधों सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से पारस्परिक हित के मामलों पर चर्चा करेंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उच्च स्तरीय दौरों के नियमित आदान-प्रदान के तहत, यह दौरा नेपाल और भारत के बीच स्थाई और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगा। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने मार्च में सत्ता संभाली थी और उनके सरकार के किसी मंत्री की यह भारत की पहली यात्रा होगी। नेपाल के नेताओं ने परंपरागत रूप से भारत के साथ करीबी संबंध को महत्व दिया है, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच घनिष्ठ राजनीतिक, आर्थिक और जन-संबंधों को दर्शाता है। इस सप्ताह की शुरुआत में, नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रबी लामिछाने नई दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मोदी ने बुधवार को लामिछाने से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं साझा और समृद्ध भविष्य के लिए मिलकर काम करने की उनकी इच्छा का स्वागत करता हूं और उससे पूरी तरह सहमत हूं। नेपाल हमारी पड़ोसी पहले नीति के तहत एक प्राथमिकता वाला साझेदार है और हम दोनों देशों के बीच विशेष तथा बहुआयामी संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए नई सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com